पौष कृष्ण - 9 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 149 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 24-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारतीय टीम में 20 विकेट लेने की क्षमता बहुत अच्छी नहीं है : पुजारा
6 शरणार्थी बच्चों की शिक्षा का मुद्दा
7 टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड्स के अनुभव को हमेशा संजोकर रखेंगी भाविका शर्मा

फर्स्ट टेक

सुरक्षाबल के शिविर पर गोलीबारी, सीआरपीएफ के दो जवान घायल

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों के शिविर पर नक्सलियों ने हमला कर दिया, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो कमांडो घायल हुए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गोमगुड़ा गांव के करीब जंगल में नव स्थापित सुरक्षाबलों के शिविर पर नक्सलियों ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन के दो कमांडो घायल हो गए। उन्होंने बताया कि नक्सलियों की गोलीबारी के बाद सुरक्षाबल के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की है। घायल कमांडो का इलाज किया जा रहा है।

अमेठी में 120 साल पुराने मंदिर पर कब्जे की शिकायत, जांच के आदेश

अमेठी (उप्र)/भाषा। अमेठी जिले के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के औरंगाबाद में 120 साल पुराने शिव मंदिर पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आने के बाद अमेठी जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। उपजिलाधिकारी प्रीति तिवारी को सौंपे ज्ञापन में ग्रामीणों ने दावा किया कि दो मंजिला मंदिर 120 साल पुराना है, जिसका निर्माण गांव के निवासी रहे जेठूराम कोरी ने कराया था। ज्ञापन में कहा गया है कि मंदिर में पूजा-अर्चना का कार्य गांव के गणेश तिवारी का परिवार करता था, लेकिन कुछ समय बाद वह गांव छोड़कर चले गए, जिसके बाद दूसरे समुदाय के लोगों ने कथित रूप से इस पर कब्जा कर लिया। तिवारी ने बताया कि औरंगाबाद में 120 साल पुराने मंदिर पर कब्जे का मामला सामने आया है, जिसकी जांच मुसाफिरखाना के तहसीलदार को दी गई है। उनसे जल्द रिपोर्ट देने को कहा गया है।

ट्रंप ने पनामा नहर वापस लेने की धमकी दी

फीनिक्स/एपी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनका प्रशासन पनामा नहर पर नियंत्रण हासिल करने का प्रयास कर सकता है जिसे अमेरिका ने ''मूर्खतापूर्ण'' तरीके से अपने मध्य अमेरिकी सहयोगी को सौंप दिया था। ट्रंप ने अपनी इस बात के पीछे तर्क दिया कि अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाली इस अहम नहर से गुजरने के लिए जहाजों से ''बेवजह'' शुल्क वसूला जाता है। वहीं पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने इस धारणा को अपने देश की संप्रभुता का अपमान बताते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया। रिपब्लिकन पार्टी के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने यह टिप्पणी पांच नवंबर को चुनाव जीतने के बाद अपनी पहली बड़ी रैली में की।

मोदी ने रोजगार मेले में बांटे 71 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेले में 71 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये और कहा कि सरकार की नीतियों तथा निर्णयों के कारण ग्रामीण भारत में भी रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के हजारों युवाओं के लिए एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा , आपके वर्षों के सपने पूरे हुए हैं, वर्षों की मेहनत रंग लाई है। 2024 का यह जाने वाला वर्ष आपके लिए नई खुशियां लेकर आए। मैं आप सभी को और आपके परिवारों को हार्दिक बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार रोजगार मेलों जैसी पहलों के माध्यम से भारत की युवा प्रतिभाओं के पूर्ण उपयोग को प्राथमिकता दे रही है। पिछले 10 वर्षों में, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सरकारी नौकरियों के लिए एक ठोस प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में लगभग 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियां दी गई हैं और यह एक रिकॉर्ड है। ये नौकरियां पूरी पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं और नए भर्ती लोग समर्पण और ईमानदारी के साथ देश की सेवा कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि किसी देश का विकास उसके युवाओं की कड़ी मेहनत, क्षमता और नेतृत्व पर निर्भर करता है। भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि देश की नीतियां और निर्णय अपने प्रतिभाशाली युवाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने युवाओं को सबसे आगे रखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है।

हिंसा की चुनौतियों से लड़ने के लिए एक साथ आएं समाज : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विकसित भारत सभी का लक्ष्य है और हमें इसे मिलकर पाना है। ये आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व है कि हम उन्हें एक उज्ज्वल भारत देकर जाएं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रिसमस के त्योहार से पहले सोमवार को ईसा मसीह की शिक्षाओं को रेखांकित करते हुए देशवासियों से भाईचारे की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया और कहा कि जब हिंसा फैलाने तथा समाज में व्यवधान पैदा करने के प्रयास होते हैं तो इससे उनके दिल को पीड़ा होती है।

राजधानी दिल्ली स्थित सीबीसीआई सेंटर परिसर में कैथोलिक बिशप्स कांफ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) की ओर से आयोजित क्रिसमस समारोह में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ऐसी चुनौतियों से लड़ने के लिए एक साथ आने की बात भी कही। उन्होंने यह भी कहा कि देश के भविष्य के लिए हर किसी को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''प्रभु ईसा मसीह की शिक्षाएं प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का जश्न मनाती हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी इस भावना को मजबूत बनाने के लिए काम करें।''

जर्मनी के क्रिसमस बाजार की एक हालिया घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, '' यह मेरे दिल को पीड़ा देता है जब हिंसा फैलाने और समाज में व्यवधान पैदा करने के प्रयास होते हैं।'' मोदी ने कहा कि यह आवश्यक है कि ''हम ऐसी चुनौतियों से लड़ने के लिए एक साथ आएं!''

जर्मनी में कुछ दिन पूर्व ही एक बड़ी घटना देखने को मिली थी जब वहां के मैगडेबर्ग में एक कार क्रिसमस बाजार में घुस गई और लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास जताया कि सबके सामूहिक प्रयास से हम हमारे देश को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत सभी का लक्ष्य है और हमें इसे मिलकर पाना है। उन्होंने कहा, ''ये आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व है कि हम उन्हें एक उज्ज्वल भारत देकर जाएं।'' प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कार्निडनल जॉर्ज कुवाकाड को पोप फ्रांसिस द्वारा कार्निडनल की उपाधि से सम्मानित किए जाने का भी जिक्र किया और कहा जब भारत का कोई बेटा सफलता की इस ऊंचाई पर पहुंचता है, तो पूरे देश को गर्व होना स्वाभाविक है। इस आयोजन में भारत सरकार ने केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन के नेतृत्व में आधिकारिक रूप से एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजा था।

स्पैडेक्स मिशन को अंजाम देगा इसरो

बेंगलूरु/भाषा। भारत अंतरिक्ष यानों को आसमान में ही डॉक (जोड़ने) और अनडॉक (अलग) करने की आवश्यक प्रौद्योगिकी के विकास को प्रदर्शित करने के लिए 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी60 के जरिये स्पैडेक्स मिशन को अंजाम देगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसरो में बताया कि 21 दिसंबर को प्रक्षेपण यान को एकीकृत कर दिया गया तथा उपग्रहों के आगे एकीकरण तथा प्रक्षेपण की तैयारियों के लिए इसे पहले प्रक्षेपण पैड पर ले जाया गया। इसरो ने अपने 'एक्स' खाते पर पीएसएलवी-सी60 को पहले प्रक्षेपण पैड पर ले जाने का वीडियो साझा किया गया है जिसे पहली बार पीआईएफ सुविधा में पीएस4 से पूरी तरह एकीकृत किया गया था। इसरो की वेबसाइट के मुताबिक 30 दिसंबर को लोग लॉन्च व्यू गैलरी में इसके लिए पंजीकरण करवाकर इसे सजीव देख सकते हैं। पंजीकरण सोमवार शाम छह बजे से शुरू हो गया है। इसरो ने बताया कि स्पैडेक्स मिशन पीएसएलवी द्वारा प्रक्षेपित दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके 'अंतरिक्ष में डॉकिंग' के प्रदर्शन के लिए एक लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि यह प्रौद्योगिकी भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं जैसे कि चंद्रमा पर भारत का अभियान, चंद्रमा से नमूने वापस लाना, भारतीय अंतरिक्ष केंद्र (बीएएस) का निर्माण और संचालन के लिए आवश्यक है। अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' प्रौद्योगिकी की तब जरूरत होती है जब साझा मिशन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कई रॉकेट प्रक्षेपित करने की जरूरत होती है। इस मिशन में सफलता मिलने पर भारत अंतरिक्ष 'डॉकिंग' प्रौद्योगिकी प्राप्त करने वाला दुनिया का चौथा देश बनने की ओर अग्रसर होगा। इसरो के मुताबिक स्पैडेक्स मिशन के तहत दो छोटे अंतरिक्ष यान (प्रत्येक का वजन लगभग 220 किग्रा) पीएसएलवी-सी60 द्वारा स्वतंत्र रूप से और एक साथ, 55 डिग्री झुकाव पर 470 किमी वृत्ताकार कक्षा में प्रक्षेपित किये जाएंगे, जिसका स्थानीय समय चक्र लगभग 66 दिन का होगा।

किसानों के लिए नई योजना पर काम कर रही है सरकार : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा की कि केंद्र और राज्य सरकारें किसानों को कृषि उपज, दूसरे राज्यों एवं बाजारों तक पहुंचाने में मदद करने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही हैं।

एक सरकारी बयान के अनुसार, गोखले इंस्टिट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकनॉमिक्स (एईआरसी) के हीरक जयंती कार्यक्रम के अवसर पर सिंह ने कहा, ''...केंद्र सरकार किसानों के उत्पादों को दूरदराज के स्थानों तक पहुंचाने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही है।''

मंत्री ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान 18 प्रतिशत है, और सरकार इस क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए कई चीजों पर काम कर रही है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर दिया और कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल को रोकने की बात कही। उन्होंने कहा, ''समय की मांग प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना है, और हमें इसे पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ाना होगा।'' उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर को नदी जोड़ो परियोजना के शुभारंभ से किसानों को लाभ मिलेगा। चौहान ने कम पानी में अधिक सिंचाई करने की तकनीक विकसित करने का आह्वान किया।

गुरदासपुर में ग्रेनेड हमला :

पीलीभीत मुठभेड़ में 'खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स' के तीन सदस्य ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पीलीभीत/चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला करने के मामले में कथित रूप से संलिप्त तीन संदिग्ध खालिस्तानी आतंकवादी सोमवार को पीलीभीत में उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में मारे गए।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने इसे पाकिस्तान प्रायोजित 'खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स' मॉड्यूल के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी करार दिया।

इस महीने पंजाब में विभिन्न जिलों में तीन विस्फोटों के बाद यह सफलता मिली है।

यह मुठभेड़ उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के पूरनपुर पुलिस थाना क्षेत्र में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स और पंजाब एवं उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीमों के बीच हुई।

डीजीपी यादव ने बताया कि तीनों की पहचान वारिन्दर सिंह उर्फ रवि (23), गुरविंदर सिंह (25) और जशनप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह (18) के तौर पर हुई है।

ये तीनों पंजाब के गुरदासपुर जिले के कलानौर पुलिस थाना क्षेत्र के निवासी हैं और उन पर कलानौर में बख्शीवाला पुलिस थाने पर हमला करने का आरोप है। हाल ही में हुई बख्शीवाला घटना में कोई घायल नहीं हुआ था।

आतंकवादी संगठन केजेएफ ने बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर इस आतंकी कृत्य की जिम्मेदारी ली थी।

उत्तर प्रदेश पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि तीनों गुरदासपुर में एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमले में संलिप्त थे। उन्होंने कहा, ''मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत पूरनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। ''

सूर्यास्त 23-12-2024 5:49 बजे	सूर्योदय 24-12-2024 6:28 बजे
BSE 78,540.17 (+498.58)	NSE 23,753.45 (+165.95)
सोना 8,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 100,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समझना जरूरी

होगी बरबादी सबकी,
नाकाम जिधर जाएगा।
हुए बदजुबां नेता तो,
अंजाम किधर जाएगा।
हवा जिधर की भी होगी,
तूफान उधर जाएगा।
सही व्यक्ति को चुन लेंगे तो,
देश सुधर जाएगा।।

ट्राई की पहल,

केवल बातचीत, एसएमएस के लिए दूरसंचार कंपनियों को जारी करना होगा 'रिचार्ज वाउचर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ इंटरनेट का उपयोग नहीं करने वाले ग्राहकों के लिए 'वॉयस कॉल' और एसएमएस के लिए एक अलग 'प्लान' जारी करने को अनिवार्य किया गया

■ विशेष रिचार्ज कूपन पर 90 दिन की सीमा हटा दी और इसे बढ़ाकर 365 दिन कर दिया।

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को शुल्क नियमों में संशोधन कर मोबाइल पर केवल बातचीत और एसएमएस की सुविधा का उपयोग करने वाले लोगों को राहत दी। इसके तहत मोबाइल सेवा प्रदाताओं को इंटरनेट का उपयोग नहीं करने वाले ग्राहकों के लिए 'वॉयस कॉल' और एसएमएस के लिए एक अलग 'प्लान' जारी करने को अनिवार्य किया गया है।

नियामक ने विशेष रिचार्ज कूपन पर 90 दिन की सीमा हटा दी और इसे बढ़ाकर 365 दिन कर दिया।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (12वां संशोधन) नियमन में कहा, ''सेवा प्रदाता विशेष रूप से बातचीत और एसएमएस के लिए कम-से-कम एक विशेष शुल्क वाउचर की पेशकश करेगा। इसकी वैधता अवधि 365 दिन से अधिक नहीं होगी।''

इस कदम से उपभोक्ताओं को उन सेवाओं के लिए ही भुगतान करना होगा जिनका वे आमतौर पर उपयोग करते हैं।

ट्राई के पास परामर्श प्रक्रिया के दौरान विभिन्न विचार सामने आए। इसमें यह बात भी आई कि कई वरिष्ठ नागरिक जिनके घरों में ब्रॉडबैंड हैं, उन्हें अपने मोबाइल फोन के लिए इंटरनेट के साथ वाले 'रिचार्ज प्लान' की आवश्यकता नहीं है।

दूरसंचार नियामक के अनुसार, उसका विचार है कि बातचीत और एसएमएस के लिए अलग से विशेष शुल्क वाउचर होने चाहिए।

ट्राई ने कहा, ''केवल बातचीत और एसएमएस के लिए विशेष वाउचर को अनिवार्य करने से उन ग्राहकों को एक विकल्प मिलेगा, जिन्हें डेटा (इंटरनेट) की आवश्यकता नहीं है। इससे किसी भी तरह से इंटरनेट समावेश की सरकारी पहल पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि सेवा प्रदाता बातचीत और एसएमएस के साथ डेटा और केवल इंटरनेट के लिए वाउचर की पेशकश करने के लिए स्वतंत्र हैं।''

बांग्लादेश की स्थिति चिंता का विषय, सरकार करीब से नजर रख रही : बीएल वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने सोमवार को बांग्लादेश की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि सरकार इस पर बारीकी से नजर रख रही है।

जम्मू में आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए मंत्री ने बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान के साथ भारत की सीमाओं की सुरक्षा में भूमिका के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सराहना की। वर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं विशेष रूप से बीएसएफ को बधाई देना चाहूंगा, जो हमारी सीमाओं की रक्षा करता है। पूर्वोत्तर के विकास पर काम करने के बाद मैंने इन सीमावर्ती राज्यों में चुनौतियों और प्रगति को देखा है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश की स्थिति चिंता का विषय है, लेकिन हमारी सरकार और हमारा विदेश मंत्रालय इस पर बारीकी से नजर रख रहा है और आगे भी रखेगा।

मंत्री ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक एवं न्यायोचित कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने बांग्लादेश की स्थिति, कांग्रेस द्वारा लगाए गए चुनाव और ईवीएम धोखाधड़ी के आरोप तथा जाति जनगणना के मुद्दे पर कई सवाल पूछे।

समाजवादी पार्टी के विधायक सुरेश यादव द्वारा भाजपा सरकार को हिंदू आतंकवादी संगठन करार देने संबंधी विवादास्पद बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में वर्मा ने कहा, ऐसी टिप्पणियां बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और हमारे जैसे लोकतांत्रिक देश में इनका कोई स्थान नहीं है। जनता ऐसी विभाजनकारी और अपमानजनक टिप्पणियों का उचित जवाब देगी।

भारत ने बांग्लादेश के शेख हसीना को वापस भेजने का अनुरोध ठुकराया

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने सोमवार को पुष्टि की कि उसे बांग्लादेश से एक राजनयिक नोट मिला है जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस भेजने का अनुरोध किया गया है और कहा कि उसे इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं करनी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा , हम पुष्टि करते हैं कि हमें प्रत्यर्पण अनुरोध के संबंध में आज बांग्लादेश उच्चायोग से एक नोट मिला है। इस समय हमें इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है , जब बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उसने औपचारिक रूप से भारत से शेख हसीना को वापस ढाका भेजने के लिए कहा है। हसीना गत 05 अगस्त को विरोध प्रदर्शन में सरकार को हटाए जाने के बाद से भारत में रह रही हैं।

दीक्षा के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आचार्यश्री रामलाल का किया गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय साधुमार्गी जैन संघ के तत्वावधान में तथा महत्तम महोत्सव शिखर वर्ष के अंतर्गत साध्वीश्री भावनाश्रीजी के सान्निध्य में रविवार को गणेश बाग में व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक आचार्यश्री रामलालजी के दीक्षा के 50 वर्ष पूर्ण होने के 50 दिन पहले समर्पण दिवस, एकासना दिवस मनाया गया। समता महिला मंडल द्वारा नवकार महामंत्र मंगलाचरण से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ । संघमंत्री महावीरचंदचोपड़ा द्वारा सभी का स्वागत किया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी कंचनदेवी कांकरिया ने संघ एवं गुरु के महत्व को समझाते हुए समर्पण भाव से गुरु गुणगान करते हुए संघ एवं गुरु की स्तुति की। तत्पश्चात महत्तम महोत्सव की महत्त्व को दर्शाने के लिए धार्मिक एवं सामाजिक आयामों-प्रकल्पों की जानकारी देते हुए महत्तम डिजिटल यात्रा प्रस्तुत की गई । महिला सदस्याओं द्वारा आचार्यश्री के आदर्श एवं महान जीवन पर आधारित एक नाटिका प्रस्तुत की गई ।

कार्यक्रम में संघ के अंतर्गत दीक्षित हुए विभिन्न दीक्षार्थियों के वीर माता-पिता, वीर परिवार तथा महत्तम महोत्सव प्रकल्प से जुड़े हुए समस्त प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। राजेंद्र दुधेडिया ना गीत व भाव के माध्यम से आचार्यश्री के महान एवं आदर्श 50 वर्ष के संयम जीवन पर प्रकाश डाला।

समता संस्कार पाठशाला के बालक बालिकाओं द्वारा महत्तम महोत्सव के 9 बिंदुओं पर आधारित प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया ने गुरु राम के आदर्श एवं महान संयम जीवन से प्रेरणा एवं शिक्षा प्राप्त करने का आवाह्न किया। सुन्दरलाल सिपानी, कमल सिपानी, प्रकाश बेताला, सम्पतराज मांडोत, चेतनप्रकाश, कुमारपाल सिसोदिया, मोहनलाल चौपड़ा, किशोर कर्नावट, जसकरण सुराणा, कुलदीप नंदावत, सम्पतराज धोका, सज्जनराज मुणोत, रमेश बोहरा आदि की उपस्थिति रही। समता युवा संघ मंत्री मोहित रांका, समता महिला मंडल अध्यक्षा सरिता खिवेंसरा, प्रियंका कोठारी द्वारा अपने विचार व्यक्त किए। छोटे बच्चों के लिए 'कौन बनेगा अभिराम रत्न' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने एकासन किया।

भगवान का प्रेमी बनाने वाली कथा होती है भागवत कथा : स्वामीश्री व्यासानंद

अग्रसेन भवन में श्रीमद् भागवत कथा हुई प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय संतमत परिवार प्रचार समिति के तत्वावधान में जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में सोमवार से प्रारंभ हुई श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ के पहले दिन प्रातः 9 बजे विशाल कलश व पोथी यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण कर पारम्परिक वेशभूषा में शामिल हुईं। पूरे विधि विधान से कलश स्थापना कराई गई। दोपहर 3 बजे से व्यासपीठ से सदगुरु महर्षि मेंहीँ महाराज के शिष्य स्वामी व्यासानंदजी महाराज श्रीभागवत कथा का श्रवण करवाया। व्यासानंदजी महाराज ने कथा के पहले दिन श्रीमदभागवत कथा के माहत्यम का वर्णन करते हुए कहा कि प्रभु बहुत ही सूक्ष्म है। जिसने प्रभु को जान लिया उसे इस संसार में और कुछ जानने की जरुरत नहीं है। भागवत कथा श्रवण करने से मृत्यु का डर समाप्त हो जाता है। कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा आत्मा की अमरता व शरीर की नश्वरता का ज्ञान करती है। जब जन्म-जन्मों का पुण्य उदय में आता है तब हमें प्रभु कथा के श्रवण का अवसर प्राप्त होता है। व्यासानंदजी ने भागवत का अर्थ समझाते हुए कहा कि वह भक्त जिसके बिना भगवान नहीं रह सकता। भगवान के अनन्य भक्त को ही भागवत कहते है। सच्चा भक्त वहीं होता है जिसके मुख से दुख का शब्द भी नहीं निकलता अपितु वह हर परिस्थिति में सुखी रहता है। मन, वचन व काया से प्रभु भक्ति करने वाला ही भक्त होता है।

बहुत ही सुन्दर पुराने आश्रम के रुप में बने मंच पर विराजित कथावाचक ने संत की परिभाषा देते हुए कहा कि जो किसी की प्रकार के आरंभ का त्याग करता है वह संत होता है। भगवान का प्रेमी बनाने वाली कथा का नाम है भागवत कथा। उन्होंने 'सच्चिदानंद' का विच्छेद करते हुए कहा कि यह महान शब्द सत्य, चित्त व आनंद से मिलकर बना है अर्थात संसार के कण कण में जो समाया हुआ है वह भगवान है, सत्य है। भगवान का स्वरुप प्रकाश व प्रकाश का स्वरुप चित्त है। ब्रह्म का स्वरुप आनंद है। आनंद हरिचरण में होता है न कि संसार में और आनंद को व्यक्त नहीं बल्कि अनुभव किया जा सकता है । भोग करने से दुखभरा संसार से तथा भजन करने से सुखी रुपी भगवान से कनेक्शन बनता है।

उत्तरप्रदेश सेवा मंडल का स्नेह मिलन व नेत्र जांच शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय उत्तरप्रदेश सेवा मंडल का स्नेह मिलन समारोह दीपोत्सव रविवार को वैष्णव समाज भवन में सम्पन्न हुआ। सरस्वती वंदना के पश्चात दीपोत्सव का शुभारंभ अतिथियों एवं सेवा मंडल के पदाधिकारयों द्वारा दीपप्रज्वलन कर किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित डीसीपी लोकायुक्त वली पाशा एवं हमजा हुसैन का सम्मान किया गया। मंडल के अध्यक्ष कृष्णकांत दुबे ने समाज के समग्र विकास के लिए सभी लोगों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, जयश्री नेत्रा तथा दिलीप आदि सदस्यों ने सदाबहार सुरीले फिल्मी नगमों को प्रस्तुत किया। मंडल की ओर से सभी बाल कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा उपहार प्रदान किए गए। इस वर्ष मंडल की ओर से सदस्य प्रवीण मिश्रा एवं नवनीत गुप्ता को 'समाज रत्नश्री' के सम्मान से सम्मानित किया गया।

स्नेह मिलन से पहले मंडल की ओर से आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में डॉ. टी. मोहनराज ने करीब सौ लोगों के आँखों की जाँच की। मंडल की ओर से जरूरतमंद लोगों को चश्मे भी बांटे गए।

कार्यक्रम का संचालन प्रवीण मिश्रा ने किया तथा अंत में सचिव वीके पटेल ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष इन्द्रदत्त द्विवेदी, गोपाल चौरसिया, पूर्व सचिव प्रमोद जैन, योगेश मित्तल, छोटेलाल चौरसिया, अशोक शर्मा, अजय जैन, सभाजीत जायसवाल, प्रमोद गुप्ता, नवीन गोविल, विवेक गोयल सहित कार्यकारिणी सदस्य एवं समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

'आत्मबोध और तत्वबोध को जान लेना ही मानव जीवन की श्रेष्ठ उपलब्धि '

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर में वैष्णव भवन में अपने सत्संग कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए ग्वालियर बालाजी मठ मंदिर लोकन्यास के चेयरपर्सन पंडित भानुप्रताप दुबे ने कहा कि आत्मबोध और तत्वबोध सदज्ञान की यह दो धाराएं हिमालय से निकलने वाली पतित पावनी गंगा और तरणतारिणी यमुना की तरह है। आत्मबोध का अर्थ है अपने उद्गम स्वरूप उत्तरदायित्व एवं लक्ष्य को समझना, तदनुरूप दृष्टिकोण क्रिया कलाप का निर्धारण करना। तत्व बोध का अर्थ शरीर उसके उपयोग एवं अंत के संबंध में वस्तुस्थिति से परिचित होना सांसारिक पदार्थों एवं संबंधित व्यक्तियों के साथ जुड़े हुए संबंधों में भ्रांतियों का निराकरण करना इनके संबंध में बरती जाने वाली नीति का नए सिरे से मूल्यांकन करना। आत्मबोध और उसके काम आने वाले पदार्थों प्राणियों के साथ उचित तालमेल बैठाना तत्वबोध है।

क्रिकेट प्रतियोगिता

बेंगलूरु के चंपाबाई सिरेमल मरलेचा परिवार द्वारा प्रायोजित अशोकनगर प्रीमियर लीग(शूले) टर्फ क्रिकेट प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में 8, महिला व वरिष्ठजन वर्ग में 4-4 टीमों ने भाग लिया। चेतना सांखला की स्पार्कलिंग स्टरलेटस टीम महिला वर्ग में, अशोक चोपड़ा की चोपड़ा वारियर्स टीम वेटेरेंस (वरिष्ठजन) वर्ग में तथा सुंदीप कोठारी की कोठारी इलेक्ट्रीफायर्स टीम पुरुष वर्ग की विजेता बनी। सभी विजेताओं को ट्रॉफी प्रायोजक पारसमल कमलाबाई कोठारी परिवार ने ट्रॉफी व चांदी के सिक्के प्रदान किए। इस मौके पर संघ के अनेक सदस्य व खेल कमेटी के सदस्य उपस्थित थे।

बोहरा बने जैन यूथ एसोसिएशन व ट्रस्ट के अध्यक्ष, बांठिया बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के जैन यूथ एसोसिएशन और एसोसिएशन पब्लिक सर्विसेज, हेल्थ एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की साधारण सभा रविवार को जयमहल पैलेस होटल में आयोजित की गई, जिसमें नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। सर्वसम्मति से रमेशचंद बोहरा को अध्यक्ष, अशोक बाँठिया को सचिव और दिनेश लोढ़ा को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसी श्रृंखला में सुरेशचंद बोहरा को चेयरमैन के रूप में चुना गया।

स्नेह मिलन में तपस्वियों व मेधावियों का हुआ सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राजस्थान के पाली जिले के खैरवा ग्राम के प्रवासियों की संस्था खैरवा जैन संघ दक्षिणांचल का स्नेह मिलन रविवार को भिक्षु धाम प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम के संपूर्ण प्रायोजक रतन नाहर सहित बेंगलूरु, सिंधनूर, गुडियात्तम, बेल्लारी हुब्बल्ली, चेन्नई आदि ने अनेक सदस्य परिवारों ने भाग लिया। इस मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित दहेज कुप्रथा के बारे में नाटिका पेश की गई। प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में उषा नाहर और संगीता सिसोदिया ने प्रेक्षाध्यान के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

कार्यक्रम में तपस्वियों का और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। प्रायोजक नाहर परिवार का सम्मान किया गया।

तेयुप विजयनगर द्वारा कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का शुभांरम्भ किया गया। तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सहयोगी परिवार भंवरलाल राकेश मांडोत एवं रतनलाल उम्मेद नाहटा एवं उपस्थित ट्रेनर, प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला में सीपीएस ट्रेनर धर्मेश कोठारी का परिचय सहमंत्री पवन बैद ने किया। यह साप्ताहिक कार्यशाला के शुभांरभ में प्रशिक्षक धर्मेश कोठारी ने सहभागियों को कुशल वक्ता बनने के लिए आत्मविश्वास प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक गुर सिखाने के साथ टीम एक्टिविटीज करवाई।

इस मौके पर अभातेयुप से राकेश पोखरणा, उपाध्यक्ष अशोक मारू, सहमंत्री पवन बैद, कमलेश दक, सीपीएस संयोजक गौरव चोपड़ा, सीपीएस समीक्षक ऋषि गोयल और लता नवलखा उपस्थित थे। संचालन सीपीएस संयोजक विनीत गांधी ने किया।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू में आईजीएनसीए के क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन किया

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को जम्मू में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन किया और कहा कि यह केंद्र क्षेत्र की समृद्ध कला तथा सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देगा एवं संरक्षित करेगा।

लोगों को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया है और कई उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित किए गए हैं।

सिन्हा ने कहा, ''यह केंद्र हमारी समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन एवं संरक्षण को बढ़ावा देगा।''

जम्मू की लोक परंपराओं को मूल्यों और सामाजिक आदर्शों के स्रोत के रूप में रेखांकित करते हुए उपराज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि आईजीएनसीए का क्षेत्रीय केंद्र सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ाएगा तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेगा।

सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की। उन्होंने कहा, ''उनके (प्रधानमंत्री मोदी) के नेतृत्व में इस क्षेत्र को आईआईटी, आईआईएम, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, दो केंद्रीय विश्वविद्यालय और दो एम्स जैसे कई संस्थान दिए गए हैं।''

सिन्हा ने कहा कि इस तरह की प्रगति से क्षेत्र के शैक्षिक परिदृश्य में परिवर्तनकारी बदलाव आया है।

केंद्रीय मंत्री ने 15000 करोड़ से 'विश्वेश्वरैया स्टील फैक्टरी' के पुनरुद्धार की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंडया। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने रविवार को भद्रावती में स्थित 'सर एम विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील फैक्टरी' के पुनरुद्धार के लिए योजना की घोषणा की जिसके तहत अनुमानित तौर पर 15,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। मंडया में 87वें अखिल भारतीय कन्नड़ साहित्य सम्मेलन में एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि यह निर्णय मोदी सरकार के बेरोजगारी दूर करने और कर्नाटक में औद्योगिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के प्रयासों के अनुरूप है। मंत्री ने भद्रावती में स्थित 'सर एम विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील फैक्टरी' के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, जिसे मैसूर के महाराजा नलवाड़ी कृष्णराज वाडियार और भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया के अधीन स्थापित किया गया था। कभी हजारों लोगों के लिए रोजगार और लाखों लोगों की आजीविका का जरिया रहे इस स्टील कारखाने के सुनहरे दिन जल्द ही लौट आएंगे। कुमारस्वामी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुझे केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्रालय की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सौंपी है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहा हूं कि ये जिम्मेदारियां कर्नाटक को फायदा पहुंचाएं।

एलपीजी सिलेंडर में धमाका होने से नौ श्रद्धालु झुलसे

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली के एक शिव मंदिर में एलपीजी सिलेंडर में धमाका होने से भगवान अयप्पा के नौ श्रद्धालु गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार रात शहर के साईनगर में हुई और हादसे के समय श्रद्धालु मंदिर के कमरे में सो रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सभी नौ घायलों को तुरंत केआईएमएस अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस को संदेह है कि श्रद्धालुओं ने खाना पकाने के बाद सिलेंडर को ठीक से बंद नहीं किया। जिसके कारण यह धमाका हुआ। श्रद्धालु केरल के सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर की यात्रा की योजना बना रहे थे।

भागवत का बयान सिर्फ गुमराह करने के लिए, संघ के इशारे पर हो रहा है मंदिर-मस्जिदः कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के एक हालिया बयान को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि उन्होंने सिर्फ समाज को गुमराह करने के लिए टिप्पणी की है क्योंकि कई स्थानों में मंदिर-मस्जिद का विवाद आरएसएस के इशारे पर ही रहा है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि भागवत को लगता है कि ऐसी बातों से आरएसएस के पाप धुल जाएंगे और उनकी छवि अच्छी हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है।

भागवत ने कई मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठने पर पिछले सप्ताह चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को ऐसा लग रहा है कि वे ऐसे मुद्दों को उठाकर ''हिंदुओं के नेता'' बन सकते हैं।

भागवत ने पुणे में सहजीवन व्याख्यानमाला में 'भारत-विश्वगुरु' विषय पर गत बृहस्पतिवार को व्याख्यान दिया था, जिसमें उन्होंने समावेशी समाज की वकालत की थी और कहा था कि दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि देश सद्भावना के साथ एक साथ रह सकता है।

रमेश ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोहन भागवत का बयान आरएसएस की खतरनाक कार्यप्रणाली को दर्शाता है, उनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। आरएसएस का काम करने का तरीक़ा आजादी के वक्त जितना खतरनाक था, आज उससे भी ज़्यादा है। वे जो बोलते हैं, उसका उल्टा करते हैं।'' उन्होंने सवाल किया, '' यदि मोहन भागवत को लगता है कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा उठाकर नेतागिरी करना गलत है तो उन्हें बताना चाहिए कि ऐसे नेताओं को उनका संघ संरक्षण क्यों देता है? क्या आरएसएस-भाजपा में मोहन भागवत की बात नहीं मानी जाती?'' कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर वह सच में अपने बयान को लेकर ईमानदार हैं तो सार्वजनिक रूप से घोषित करें कि भविष्य में संघ कभी भी ऐसे नेताओं का समर्थन नहीं करेगा जिनके कारण समाजिक भाईचारे को खतरा पहुंचता है। उन्होंने दावा किया, ''लेकिन ये ऐसा नहीं कहेंगे क्योंकि मंदिर-मस्जिद संघ के इशारे पर ही हो रहा है। कई मामलों में ऐसे विभाजनकारी मुद्दे को भड़काकर दंगा करवाने वालों का संबंध आरएसएस से निकलता है।

यमुना में अमोनिया का स्तर बढ़ने से दिल्ली के कई इलाकों में जलसंकट

नई दिल्ली/भाषा। यमुना नदी के वजीराबाद जलाश्य में अमोनिया (एनएच3) का स्तर तेजी से बढ़ने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में जल संकट उत्पन्न हो गया है। दिल्ली जल बोर्ड के एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान के अनुसार, अमोनिया का स्तर 5.0 पीपीएम से अधिक होने के कारण वजीराबाद जल संयंत्र से आपूर्ति में 25 से 50 प्रतिशत तक की कमी आई है। बान के मुताबिक प्रभावित इलाकों में मजनू का टीला, आईएसबीटी, जीपीओ, एनडीएमसी क्षेत्र, आईटीओ, हंस भवन, एलएनजेपी अस्पताल, डिफेंस कॉलोनी, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, राजघाट, डब्ल्यूएचओ, आईपी इमरजेंसी, रामलीला ग्राउंड, दिल्ली गेट, ग्रेटर कैलाश, बुराड़ी, छावनी क्षेत्रों के कुछ हिस्से और दक्षिण दिल्ली शामिल हैं।

तमिलनाडु के 458 सहित 71,000 से अधिक युवाओं को रोजगार मेले के तहत नियुक्ति पत्र मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रोज़गार मेला भाग-14 के तहत 23 दिसंबर, 2024 को तमिलनाडु समेत पूरे भारत में सफल उम्मीदवारों को 71,000 से ज़्यादा नियुक्ति पत्र सौंपे गए। अवाडी, चेन्नई और शिवगंगा ज़िले में आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों के दौरान राज्य के कुल 458 उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया सीआरपीएफ, अवाडी में 413 उम्मीदवारों को ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए। उन्होंने नियुक्त उम्मीदवारों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, उन्हें उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी और सीएपीएफ और सरकारी विभागों के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

इसके साथ ही, शिवगंगा जिले में, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के भर्ती प्रशिक्षण केंद्र, इलुपाइकुडी में रोजगार मेला आयोजित किया गया। सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, भारतीय रेलवे और अन्य सहित विभिन्न विभागों के 45 नियुक्तियों को भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा, इस्पात और भारी उद्योग राज्य मंत्री द्वारा उनके नियुक्ति पत्र सौंपे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए कार्यक्रम को संबोधित किया और नियुक्तियों के लिए बधाई दी और उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने रोज़गार पैदा करने और युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए सार्थक अवसर सुनिश्चित करने पर सरकार के ध्यान पर ज़ोर दिया। रोजगार मेला पहल भारत भर में बेरोजगारी की समस्या से निपटने और युवाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिसमें तमिलनाडु इस नवीनतम पहल में देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में सामने आया है।

नियुक्ति पत्र — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को मुख्यमंत्री के मुख्य सचिवालय में युवा कल्याण और खेल विकास विभाग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों में 3 प्रतिशत खेल आरक्षण के तहत अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले तमिलनाडु के 84 खिलाड़ियों और महिलाओं को रोजगार आदेश मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने जारी किए।

चुनाव नियम में संशोधन निष्पक्ष चुनाव के लिए ''सबसे बड़ा'' खतरा: स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार के तहत लोकतंत्र सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है, क्योंकि उसने पारदर्शिता को ''खत्म करने'' के लिए चुनाव संचालन नियमों में बिना सोचे समझे संशोधन किया है। स्टालिन ने सभी राजनीतिक दलों से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव पर ''हमले'' का मुकाबला करने की अपील की।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि ''पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा चुनाव बूथ का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने के निर्देश के बाद, केंद्र सरकार सीसीटीवी फुटेज सहित चुनाव दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए यह संशोधन लेकर आयी है और इस प्रकार संविधान की एक बुनियादी विशेषता को नष्ट कर दिया है।'' उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, चुनाव में पारदर्शिता खत्म करने के लिए चुनाव संचालन नियमों की धारा 93(2)(ए) में लापरवाही से संशोधन किए जाने से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के तहत लोकतंत्र सबसे गंभीर खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा-नीत केंद्र सरकार का भय हरियाणा से आगे महाराष्ट्र को लेकर चिंता को दर्शाता है, जहां हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में उनकी सुनियोजित और नापाक जीत ने गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

उन्होंने कहा, यह चौंकाने वाला है कि भारत के निर्वाचन आयोग ने संस्थागत शुचिता के लिए लड़ने के बजाय, स्वेच्छा से प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के दबाव के आगे घुटने टेक दिए हैं और...(आयोग) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को नुकसान पहुंचाने में शामिल हो गया। मैं केंद्र सरकार में शामिल दलों सहित सभी राजनीतिक दलों से अपील करता हूं कि वे आगे आएं और हमारे देश के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों पर इस अलोकतांत्रिक हमले का मुकाबला करें।

श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर : भक्तों ने दान किया स्वर्ण मुकुट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तारिगोंडा में स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में भक्तों ने रविवार को स्वर्ण मुकुट दान में दिया। तिरुपति से 110 किलोमीटर दूर स्थित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर को 340.930 ग्राम वजन का स्वर्ण मुकुट प्राप्त हुआ, जिसकी कीमत लगभग 27 लाख रुपये है। यह मुकुट चेन्नई के भक्त वसंत लक्ष्मी, माधवी और मनोहर ने भेंट किया। मंदिर निकाय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''तिरुपति से लगभग 110 किलोमीटर दूर तारिगोंडा में स्थित तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के उप-मंदिर श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर को रविवार को कीमती आभूषणों के रूप में दान प्राप्त हुआ।''

द्रमुक के जनविरोधी शासन का मुकाबला मोदी की भाजपा से हो रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता ए.एन.एस.प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि द्रमुक की कार्यकारी समिति की बैठक 22 दिसम्बर को हुई। दिसंबर में होने वाली यह वार्षिक रस्म मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की प्रशंसा करने के लिए एक मंच से ज़्यादा कुछ नहीं है। हर दूसरी कार्यकारी समिति की बैठक की तरह, यह भी स्टालिन परिवार के लिए एक गौरव सत्र के रूप में समाप्त हुई।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री स्टालिन ने दावा किया कि द्रमुक सातवीं बार सरकार बनाएगी, जबकि उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने दावा किया कि पार्टी 200 से अधिक सीटें जीतेगी। हालांकि, उन्हें डीएमके के 75 साल के इतिहास की समीक्षा करने की जरूरत है। जब से द्रमुक करुणानिधि के परिवार के नियंत्रण में आई है, तब से इसने कभी भी लगातार चुनाव नहीं जीते हैं, जब तक कि विपक्षी दल टूट न जाएं या मजबूत गठबंधन बनाने में विफल न हों। प्रसाद ने बताया कि द्रमुक की हालिया चुनावी सफलता का श्रेय विरोधी गठबंधनों के भीतर आंतरिक संघर्षों और अवास्तविक झूठे चुनावी वादों के साथ-साथ केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में झूठे प्रचार को दिया जा सकता है, जिससे अंततः पार्टी को फायदा हुआ। 2026 के विधानसभा चुनावों में ऐसा नहीं होगा। डीएमके को हराने के लिए एक मजबूत गठबंधन उभरेगा, जिससे पिता-पुत्र की जोड़ी के फिर से सरकार बनाने या 200 से अधिक सीटें जीतने के दावे दिवास्वप्न से अधिक कुछ नहीं रह जाएंगे। पिछले साढ़े तीन साल के डीएमके शासन में भ्रष्टाचार चरम पर है।

स्कूल सर्टिफिकेट बनवाने से लेकर सरकारी दफ्तरों में कोई भी काम करवाने तक, रिश्वत दिए बिना कुछ भी संभव नहीं है। कानून-व्यवस्था की स्थिति काफी खराब हो गई है। वेल्लोर में भ्रष्टाचार पर सवाल उठाने वाले भाजपा कार्यकर्ता की डीएमके से जुड़े पंचायत नेता ने बेरहमी से हत्या कर दी। तिरुनेलवेली में कोर्ट परिसर में दिनदहाड़े एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। डीएमके शासन में कानून-व्यवस्था की यही स्थिति है। इसके अलावा, द्रमुक सरकार बिजली दरों, संपत्ति करों और दूध की कीमतों में वृद्धि करके लोगों पर बोझ डालना जारी रखे हुए है। डीएमके के पास सत्ता में लौटने का कोई मौका नहीं है। डीएमके ने 2006-2011 के कार्यकाल के दौरान भी इसी तरह के साहसिक दावे किए थे, जिसमें कहा गया था कि वे सत्ता में वापस आएंगे। लेकिन 2011 के विधानसभा चुनावों में डीएमके विपक्ष का दर्जा भी हासिल नहीं कर पाई। 2026 के चुनावों में भी डीएमके का यही हश्र होने वाला है - इसमें कोई संदेह नहीं है। कार्यकारिणी समिति की बैठक में डीएमके ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विरोध करते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की निंदा करते हुए, मदुरै में टंगस्टन खदानों की नीलामी की आलोचना करते हुए, तथा विश्वकर्मा योजना का विरोध करते हुए प्रस्ताव पारित किए। यह बैठक, जिसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से भाजपा का मुकाबला करना था, यह दर्शाता है कि डीएमके स्वयं यह मानती है कि तमिलनाडु में राजनीतिक मुकाबला द्रमुक और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला बन गया है।

मछुआरों का अनसुलझा मुद्दा डीएमके और कांग्रेस सरकारों द्वारा कच्चातीवु को श्रीलंका को सौंपने का सीधा नतीजा है। तमिलनाडु के मछुआरे और जनता डीएमके को चुपचाप ऐसा होने देने के लिए कभी माफ नहीं करेंगे। यहां तक कि जब डीएमके 1996 से 2004 तक केंद्र में सत्ता में थी, तब भी उन्होंने कच्चातीवु को वापस पाने के लिए कुछ नहीं किया। अब द्रमुक के संगठन सचिव आरएस भारती का दावा है कि पार्टी ने कच्चातीवु को सौंपे जाने का विरोध किया था - एक ऐसा दावा जिस पर लोग कभी विश्वास नहीं करेंगे।

द्रमुक कार्यकारिणी समिति द्वारा पारित प्रस्ताव से पता चलता है कि पार्टी केंद्र की भाजपा सरकार को तमिलनाडु के हितों के खिलाफ काम करने वाली बताने की कोशिश कर रही है। उनका मानना है कि जनता के बीच भाजपा विरोधी भावना पैदा करने से चुनावी जीत मिलेगी। लेकिन यह रणनीति विफल हो जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों में डीएमके को 2011 की तरह अपमानजनक हार का सामना करना पड़ेगा और हो सकता है कि वह विपक्ष का दर्जा भी न पा सके। तमिलनाडु में डीएमके के खिलाफ विपक्ष की लहर को नकारा नहीं जा सकता।

भेंट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री एवं सांसद पी. चिदम्बरम एवं सांसद कार्ती पी. चिदम्बरम ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की। चिदम्बरम ने मुख्यमंत्री को अलगप्पा विश्वविद्यालय में स्थापित तमिल पुस्तकालय का शुभारंभ करने के लिए आमंत्रित किया।

मरम्मत कार्य के दौरान दो मजदूरों की करंट लगने से मौत, एनएचआरसी ने जारी किया नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सोमवार को बताया कि तमिलनाडु के तिरुचि में हाईटेंशन ओवरहेड बिजली लाइन की मरम्मत करते समय बिजली का करंट लगने से दो मजदूरों की मौत संबंधी मीडिया रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए उसने राज्य सरकार एवं पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है। आयोग ने बताया कि खबरों के मुताबिक दोनों मजदूर तमिलनाडु उत्पादन एवं वितरण निगम में बतौर संविदा कर्मी कार्य कर रहे थे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने यह भी पाया है कि राज्य में पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। यह मानवाधिकार का गंभीर उल्लंघन है और मानवाधिकार आयोग के लिए यह चिंता का विषय है। एनएचआरसी ने कहा कि उसने मीडिया में आई उस खबर का स्वत: संज्ञान लिया है कि तमिलनाडु उत्पादन और वितरण निगम (टैंगेडको) के साथ ठेका मजदूर के रूप में काम करने वाले दो व्यक्तियों की 18 दिसंबर, 2024 को तमिलनाडु के तिरुचि के के.के. नगर में ओलैयूर रिंग रोड के पास एक हाईटेंशन ओवरहेड बिजली लाइन की मरम्मत करते समय बिजली का झटका लगने से मौत हो गई। आयोग ने कहा कि अगर मीडिया में आई खबर सही है तो इससे बिजली विभाग की ओर से ''घोर लापरवाही'' का पता चलता है, जिसके परिणामस्वरूप दो मजदूरों की मौत हो गई। इसने तमिलनाडु के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने कहा, ''उम्मीद है कि इसमें मामले में दर्ज प्राथमिकी की स्थिति और दोनों पीड़ितों के परिजनों को दिए गए मुआवजे (अगर कोई हो) की जानकारी शामिल होगी। आयोग यह भी जानना चाहेगा कि राज्य सरकार और टैंगेडको ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए हैं या इस बारे में उसके प्रस्तावित कदम क्या हैं।'' मीडिया में आई खबरों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला कि मरम्मत कार्य के दौरान केबल की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद नहीं की गई थी।

अवलोकन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुवल्लुर प्रतिमा की रजत जयंती के मौके पर पब्लिक लाइब्रेरी निदेशालय की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल एम पोइयाडे। इस मौके पर सार्वजनिक पुस्तकालय विभाग के निदेशक डॉ. पी. शंकर, स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. एस. कन्नप्पन आदि उपस्थित थे।

लोकार्पण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग के अधिकारियों के उपयोग के लिए 8.46 करोड़ रुपये के 95 वाहनों की सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, ग्रामीण विकास मंत्री ई. पेरियासामी, राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री के.के.एस.एस.आर. रामचन्द्रन, वित्त, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री थंगम तेनारासु, मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदम, ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग, अतिरिक्त मुख्य सचिव गगनदीप सिंह बेदी आदि उपस्थित थे।

महा शिवरात्रि से पहले तमिलनाडु में 30,000 किलो की यात्रा करेंगे आदियोगी रथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कैलाया भक्ति पेरावई द्वारा आयोजित आदियोगी रथ यात्रा का उद्घाटन 22 दिसम्बर को कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में प्रतिष्ठित आदियोगी प्रतिमा के सामने एक भव्य समारोह में किया गया। यह वार्षिक आयोजन तमिलनाडु में 30,000 किलोमीटर की चौंका देने वाली दूरी तय करते हुए एक आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत करता है। तमिलनाडु के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों के लिए रथ यात्रा को थवाथिरु पेरूर अधीनम मरुदासला आदिगलर और थवाथिरु सिरवई अधीनम कुमारकुरुबारा स्वामीगल द्वारा आरती के साथ हरी झंडी दिखाई गई। इस पहल का उद्देश्य लोगों को ईशा में महा शिवरात्रि समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित करना है, साथ ही कोयंबटूर नहीं जा पाने वालों को अपने गांवों में आदियोगी के दर्शन करने का अवसर प्रदान करना है।

इस वर्ष आदियोगी के पवित्र स्वरूप को लेकर चार रथ तमिलनाडु की चारों दिशाओं में यात्रा करेंगे। महाशिवरात्रि से पहले दो महीनों में ये रथ 1,000 से अधिक गांवों में आध्यात्मिक उत्साह और आशीर्वाद फैलाएंगे। उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए पेरूर अधीनम ने बताया, जबकि शिवरात्रि हर महीने होती है, हम तमिल महीने मासी में महाशिवरात्रि को बहुत ही खास तरीके से मनाते हैं। परंपरागत रूप से, यह त्योहार मंदिरों में भव्य रूप से मनाया जाता है। ईशा में महाशिवरात्रि समारोह में न केवल तमिलनाडु या भारत से बल्कि दुनिया भर से भारी भीड़ उमड़ती है। लोगों को इस असाधारण उत्सव में आमंत्रित करने के लिए, आदियोगी रथ यहाँ से अपनी यात्रा शुरू करते हैं, जो गाँवों और कस्बों से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह मंदिरों में मुख्य देवता मौजूद होते हैं, उसी तरह आदियोगी यहाँ खड़े होकर इस स्थान से आशीर्वाद देते हैं। इन रथों में आदियोगी के स्वरूप, उत्सव की मूर्तियों की तरह, शहर-शहर घूमते हैं और भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। यह शुभ है कि यह यात्रा आज से शुरू हो रही है।

ईशा केंद्र में काम दिन-प्रतिदिन, पल-पल बढ़ता जा रहा है। मैं कामना करता हूं कि ईशा की आध्यात्मिक और सामुदायिक सेवाएं विस्तारित हों और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचें।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक कार्यालय चेन्नई ने 114वां स्थापना दिवस मनाया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक कार्यालय चेन्नई ने क्षेत्रीय कार्यालय और अपनी सभी स्थानीय शाखाओं के साथ 114वां बैंक स्थापना दिवस मनाया।

दिन की शुरुआत बैंक के संस्थापक सर सोराबजी पोचखानवाला के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। बैंक द्वारा एक सम्मान समारोह सह संगीत संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राहकों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। सबसे पहले चेन्नई के क्षेत्रीय प्रमुख पवन अग्रवाल ने समारोह का स्वागत किया। आंचलिक प्रमुख के. शशिधर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बैंक के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला और सभी से बैंक की प्रगति के लिए पूरी लगन और समर्पण के साथ काम करने की अपील की। बैंक ने समारोह में उपस्थित सभी ग्राहकों को सम्मानित किया तथा शाखा प्रबंधकों और अन्य कर्मचारियों को विभिन्न व्यवसाय और अन्य मापदंडों पर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्य आंतरिक लेखा परीक्षक संतोष श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

मलयालम फिल्मों में शराब पीने को महिमामंडित किया जाता है : माकपा नेता सुधाकरन

अलप्पुझा। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री जी सुधाकरन ने मलयालम सिनेमा की विषय-वस्तु की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि इन फिल्मों में शराब के सेवन को महिमामंडित किया जाता है। सुधाकरन ने अलप्पुझा जिले में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस बात पर दुख जताया कि केरल में अब सार्थक विषय वाली फिल्में नहीं बन रही हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, ''केरल एक समय ऐसी भूमि थी जहां उत्कृष्ट फिल्में बनती थीं। क्या अब हम 'असुरविथु', 'भार्गवी निलयम' या 'कबानी नदी चुवन्नापोल' जैसी फिल्में देखते हैं?'' सुधाकरन ने दावा किया कि अब हर फिल्म शराब पीने के दृश्यों से शुरू होती है। वरिष्ठ वामपंथी नेता ने सवाल किया, शराब पीना रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। जब हमारे युवा शराब पीते हैं, तो पुलिस उन्हें गिरफ्तार क्यों करती है? क्या शराब पीने को बढ़ावा देने वाले फिल्म अभिनेताओं को जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए? आखिर इन फिल्मों को मंजूरी क्यों दी जा रही है? सुधाकरन ने सवाल किया, क्या आपने कभी यूरोपीय फिल्मों में शराब पीने को महिमा मंडित करते हुए देखा है?

परोपकार और सेवा कार्य ही ईश्वर की आराधना : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को गांव पदमपुरा, बाड़ा में कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित मेगा नेत्र चिकित्सा शिविर का अवलोकन कर वहां भर्ती मरीजों से संवाद किया और केंद्र और राज्य सरकार द्वारा गरीब, पिछड़ों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस दौरान कहा कि परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है। चिकित्सा से जुड़ा सेवा कार्य ही ईश्वर की आराधना है। उन्होंने वहां पर नेत्र चिकित्सा से लाभान्वित काश्तकारों, श्रमिकों की बेहतर और नि:शुल्क चिकित्सा व्यवस्था की सराहना की।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के समापन समारोह में उन्होंने राज्य सरकार और केंद्र सरकार की आरोग्य समृद्धि योजनाओं के बारे में भी विशेष रूप से बताया तथा कहा कि किसानों, मजदूरों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे विकास कार्यों का जनहित में अधिकाधिक प्रसार होना चाहिए ताकि योजनाओं का समुचित लोगों तक लाभ पहुंच सके। उन्होंने कहा कि परपीड़ा निवारण के लिए किए जाने वाले कार्य जनजन तक पहुंचते हैं तभी उनकी सार्थकता होती है।

राज्यपाल ने निजी ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा और दवाओं, चश्मों, लेंस और अन्य उपकरणों के वितरण को अनुकरणीय बताया। उन्होंने मरीजों से संवाद करते हुए उनके हाल-चाल भी जाने। उन्होंने सरकार के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थाओं, निजी क्षेत्र आदि को भी चिकित्सा सेवाओं में सहयोग देने और अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित किए जाने पर जोर दिया।

आरंभ में गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी नरेश कुमार मेहता ने ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का एक लाख ऑपरेशन नि:शुल्क करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि 'पदम ज्योति नेत्र चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र' द्वारा सेवा कार्य के अंतर्गत पिछड़े वर्ग के बालकों को शिक्षाछात्रवृति, पुस्तकें आदि भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

राज्यपाल ने शिविर में नाक से बजाए जाने वाले वाद्य यंत्र अलगोजा की प्रस्तुति भी सुनी। उन्होंने इसके लिए लोक कलाकार की सराहना करते हुए कहा कि लुप्तप्राय: ऐसे वाद्य यंत्रों को बजाने वाले कलाकारों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

पूरी पारदर्शिता के साथ हो बजट घोषणाओं की त्वरित क्रियान्विति : मुख्यमंत्री भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं को आगामी बजट से पूर्व धरातल पर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा रविवार रात मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2024-25 की चिह्नित बजट घोषणाओं पर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी जवाबदेही के साथ विकास कार्यों को पारदर्शिता से पूरा करते हुए प्रदेश को विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाएं। बैठक में मुख्यमंत्री ने 32 विभागों की विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बिजली-पानी उपलब्ध कराने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। इसी क्रम में ब्राह्मणी नदी बांध परियोजना से दक्षिणी से पश्चिमी राजस्थान तक के क्षेत्रों को पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने जल संसाधन विभाग को योजना पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। शर्मा ने आगामी गर्मी के मौसम में पेयजल सुविधा के बेहतर प्रबंधन के लिए जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को समर कंटीजेंसी प्लान पर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में हैंडपम्प एवं ट्यूबवैल पानी की व्यवस्था का माध्यम है वहां आंकलन कर अतिरिक्त ट्यूबवैल और हैंडपम्प लगाए जाएं। उन्होंने भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए कर्मभूमि से मातृभूमि कार्यक्रम को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने उद्योग विभाग के अधिकारियों को औद्योगिक क्षेत्रों का सघन सर्वेक्षण कराते हुए उन क्षेत्रों के मालिकों को नोटिस देने के निर्देश दिए हैं, जिन्होंने निर्धारित समयावधि में कार्य प्रारम्भ नहीं किया है। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों की पुन: नीलामी के लिए भी निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने राजस्थान आवासन मण्डल के अधिकारियों को आवासीय संपत्तियों के निस्तारण के लिए भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने ब्यावर, कोटा, जालौर, राजसमंद, सिकन्दरा में स्टोन मंडियों की स्थापना एवं स्टोन क्लस्टर्स के उन्नयन के कार्यों की समीक्षा करते हुए उद्योग विभाग को व्यापारियों के लिए बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने आई.टी.आई. संस्थानों के नियमित निरीक्षण के लिए भी निर्देशित किया। शर्मा ने सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए यातायात नियमों के संबंध में जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

किसान को आत्महत्या से रोकने के लिए लगाया था पुलिस जाब्ता, 9.91 लाख रुपये जमा कराने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में पुलिस ने एक किसान से उसकी सुरक्षा में लगाए गए पुलिस 'जाब्ते' के खर्च के मद में 9.91 लाख रुपये जमा कराने को कहा है। इस किसान ने आत्महत्या की धमकी दी थी, जिसके बाद उसे ऐसे किसी कदम से रोकने के लिए पुलिस 'जाब्ता' लगाया गया था। किसान विद्याधर यादव ने बताया कि नवलगढ़ के गोठड़ा गांव में सीमेंट कारखाने के लिए उनकी जमीन अधिग्रहण के तहत उनके मकान को बिना मुआवजा दिए, गिराए जाने से वह परेशान थे।

मुआवजे के संबंध में जिला प्रशासन और सीमेंट कंपनी प्रबंधन ने जब कोई उचित जवाब नहीं दिया तो उन्होंने नौ दिसंबर को राष्ट्रपति के नाम वाला ज्ञापन जिला कलेक्टर को देकर आत्महत्या करने की धमकी दी। इसमें किसान ने अपनी समस्या के समाधान के लिए 11 दिसंबर सुबह 11 बजे तक का समय दिया था।

प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए, किसान को कोई आत्मघाती कदम उठाने से रोकने के लिए गांव में पुलिस 'जाब्ता' तैनात कर दिया। यादव ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्महत्या का प्रयास भी किया, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। बाद में उन्हें मुआवजा दे दिया गया।

अब 17 दिसंबर को झुंझुनू के जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से किसान को एक नोटिस जारी करके यादव व उनके परिवार को इच्छा मृत्यु से बचाने के लिए पुलिस बल तैनात करने के एवज में 9,91,577 रुपये जमा कराए। नोटिस में कहा गया है कि 99 पुलिसकर्मियों- एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दो उपाधीक्षक, दो निरीक्षक, तीन उपनिरीक्षक, छह सहायक उपनिरीक्षक, 18 हेड कांस्टेबल और 67 कांस्टेबल की तैनाती की गई तथा सरकारी वाहनों का इस्तेमाल किया गया, जिससे सरकारी खजाने पर बोझ पड़ा। नोटिस में आगे कहा गया है कि उनकी (किसान की) निजी सुरक्षा पर हुए 9,91,577 रुपये के खर्च की वसूली उनसे की जानी है।

झुंझुनू के पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने कहा, सुरक्षा के लिए पुलिस फोर्स तैनात किए जाने के कारण वसूली के लिए नोटिस भेजा गया है। किसान ने कहा कि उसके पास इच्छामृत्यु मांगने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, क्योंकि उसकी सारी जमीन अधिगृहीत कर ली गई और बिना मुआवजा दिए मकान तोड़ दिया गया।

उन्होंने कहा, मैं लगातार उपखंड अधिकारी (एसडीएम) और कंपनी के अधिकारियों से मुआवजे की राशि जारी करने का अनुरोध कर रहा था, लेकिन कोई उचित जवाब नहीं मिला, इसलिए मैंने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को दिया और इच्छामृत्यु के लिए 11 दिसंबर तक का अल्टीमेटम दिया। यादव ने कहा, मैंने सुरक्षा की मांग नहीं की थी। जिला प्रशासन और पुलिस ने व्यवस्था की तथा अब पुलिस अधीक्षक ने मुझे वसूली का नोटिस दिया है।

राजस्थान मंडपम को समय से करें पूरा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान मंडपम राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान मण्डपम के निर्माण की तैयारियों को लेकर बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जयपुर में बनने वाले इस मंडपम को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस बनाया जाए तथा इसमें आधुनिक तकनीक और परंपरागत राजस्थानी वास्तुकला का बेहतरीन संयोजन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को मण्डपम के निर्माण को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि भारत मण्डपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मण्डपम का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसमें बनने वाले एग्जीबिशन हॉल, ओपन हॉल तथा ऑडिटोरियम में दर्शक क्षमता का पूरा ध्यान रखा जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया तथा वन नेशन वन प्रोडक्ट के तहत स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए मंडपम में यूनिटी मॉल का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को इस मॉल में सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यहां संसाधन विकसित किया जाए। उन्होंने मंडपम में बनने वाले यूनिटी मॉल, पार्किंग, दुकानें एवं ऑडिटोरियम सहित पूरे मास्टर प्लान की समीक्षा की।

इस दौरान बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, रिको के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह, एनबीसीसी के मुख्य प्रबंध निदेशक के पी महादेव स्वामी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

'भजनलाल सरकार के प्रयासों से कई क्षेत्रों में राजस्थान बना नंबर वन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार गत एक वर्ष में प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में कामयाब रही है और कई क्षेत्रों में राजस्थान नंबर वन बन गया हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार प्रदेश को नित नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित हैं और शर्मा ने गत वर्ष 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण करने के साथ ही प्रदेश को विकास की राह पर ले जाने के लिए कड़ा परिश्रम शुरू कर दिया और इसी का परिणाम है कि आज राजस्थान देश में सौर ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर है।

केंद्र की योजनाओं को प्रदेश में बेहतर तरीके से क्रियान्वित करने का परिणाम है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तहत वर्ष 2024-25 में आवंटित लक्ष्यों के विरूद्ध जारी स्वीकृति एवं प्रथम किश्त में राजस्थान का प्रथम स्थान है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के तहत बारां जिले में 90 पीवीटीजी वन धन विकास केन्द्रों का गठन किया गया है, जिसके तहत सहरिया जनजाति की 15 हजार 878 महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। पीएम-जनमन अभियानान्तर्गत आवंटित लक्ष्यों के विरूद्ध जारी प्रतिशत स्वीकृति में राज्य का प्रथम स्थान है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में पथ विक्रेताओं को सर्वाधिक ऋण वितरण कर लाभान्वित करने के लिए एक से तीन लाख की आबादी वाली निकाय की श्रेणी में राज्य की हनुमानगढ़ नगर परिषद को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत किया गया है। दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत बड़े राज्यों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का तीसरा स्थान प्राप्त करने पर केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत किया गया।

राज्य का देश में ऑनलैण्ड क्रूड उत्पादन में गुजरात राज्य के बाद द्वितीय स्थान एवं प्राकृतिक गैस उत्पादन में असम राज्य के बाद द्वितीय स्थान है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान हर कीर्तिमान को तोड़कर विकास के नए कीर्तिमान रच रहा है।

राजस्थान के कई इलाकों में हल्की बारिश, कोहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नए पश्चिमी विक्षोभ के चलते बीते 24 घंटे में राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई और कहीं-कहीं घना कोहरा भी छाया रहा। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में सोमवार सुबह तक राज्य के गंगानगर, चूरू, बीकानेर, अनूपगढ़, तारानगर, पिलानी व झुंझुनू सहित कई जगह एक मिलीमीटर से 10 मिलीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिम राजस्थान में कई जगह कोहरा छाया रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान अलवर में 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण बीकानेर, जयपुर संभाग में बादल छाए हुए हैं और कई जगह हल्की बारिश दर्ज की गई है।

इसके अलावा, 26-27 सितंबर को एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेगा। इसका प्रभाव उदयपुर, कोटा, अजमेर व भरतपुर संभाग तथा शेखावाटी इलाके में देखने को मिलेगा। इसके प्रभाव से बादल छाए रहने व कहीं कहीं बारिश होने की संभावना है।

तनोट माता मंदिर के मास्टर प्लान का काम चरणबद्ध रूप से करें पूरा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैसलमेर स्थित तनोट माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि राजस्थान के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस मंदिर के मास्टर प्लान के तहत चरणबद्ध रूप से काम कर इसे विश्वस्तरीय धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर तनोट माता मंदिर क्षेत्र के मास्टर प्लान को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर के क्षेत्र में अत्याधुनिक विकास कार्य किए जाएं जिससे यहां आने वाले पर्यटक देश के प्रति गौरवान्वित हों तथा उनमें देशभक्ति का भाव जागृत हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्य मंदिर तथा प्रवेश द्वार के सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देते हुए पूरे परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं।

शर्मा ने कहा कि मंदिर को पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाते हुए स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार और आर्थिक अवसरों का सृजन भी किया जाए।

इस अवसर पर उन्होंने मंदिर क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट, डेजर्ट सफारी सहित मंदिर के मास्टरप्लान के तहत बनने वाले सभी अत्याधुनिक सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

पीवी सिंधु ने उदयपुर में वेंकट दत्ता से की शादी

उदयपुर। बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधु ने सोमवार को उदयपुर में पारंपरिक तेलुगु समारोह में वेंकट दत्ता साई से शादी की। इस खुशहाल अवसर पर सिंधु और वेंकट दत्ता अपने करीबी परिवार और दोस्तों से घिरे हुए थे। हालांकि, इस जोड़े ने अभी तक अपनी आधिकारिक तस्वीरें साझा नहीं की हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी शादी की कुछ झलकियाँ सामने आ चुकी हैं।

सिंधु और वेंकट दत्ता साई ने अपने विशेष दिन की शुरुआत एक भव्य तेलुगु विवाह समारोह से की, जिसमें दोनों ने पारंपरिक परिधानों में भाग लिया। सिंधु ने क्रीम रंग की एक शानदार साड़ी पहनी थी, जबकि वेंकट ने उनके साथ मेल खाते रंग की शेरवानी पहनी थी। इस विवाह समारोह में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शामिल हुए और एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, कल शाम उदयपुर में हमारी बैडमिंटन चैंपियन ओलंपियन पीवी सिंधु और वेंकट दत्ता साई के विवाह समारोह में शामिल होकर बहुत खुशी हुई और इस जोड़े को उनके नए जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिए।

अंतरराष्ट्रीय ऊंट महोत्सव 10 से 12 जनवरी तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर में अंतरराष्ट्रीय ऊंट महोत्सव 10 से 12 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने सोमवार को इसके पोस्टर का विमोचन किया और अब तक की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि महोत्सव में अधिक से अधिक देशी और विदेशी पर्यटक शिरकत करें, इसके मद्देनजर इसका व्यापक प्रचार-प्रचार किया जाए। महोत्सव के दौरान ऐसे नवाचार हों, जिससे राजस्थान की संस्कृति और परंपराओं को नयी पहचान मिल सके।

श्रीमती वृष्णि ने बताया कि 10 जनवरी को भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसमें विभिन्न कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। जूनागढ़ परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के दौरान हैंडीक्राफ्ट सहित स्थानीय विशेषताओं की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

11 जनवरी को राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र में ऊंट नृत्य, ऊंट फर कटिंग, ऊंट सज्जा, ऊंट दौड़ और अश्व से संबंधित गतिविधियां आयोजित होंगी। अपराह्न साढ़े तीन बजे जूनागढ़ से शोभायात्रा रवाना होगी। इसमें सजे-धजे ऊंट, ऊंट गाड़े, तांगे, हेरिटेज गाड़ियां, लोक कलाकार, एनसीसी, एनएसएस कैडेटस, स्कूली विद्यार्थी भाग लेंगे। सायं साढ़े चार बजे से डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में मिस्टर बीकानेर, मिस मरवन और ढोला मरवण शो आयोजित होंगे। सायं सात बजे डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा।

उन्होंने बताया कि 12 जनवरी को रायसर में रस्साकसी, कुश्ती, कबड्डी, खो-खो, साफा बांधने की प्रतियोगिता, महिला मटका दौड़ और ड्यून रेस आदि आयोजित होंगी।

वही बालू कला प्रदर्शनी, शिल्पकला, फूड बाजार, घुड़दौड़, ऊंट गाड़ी सफारी आदि गतिविधियां होंगी। सायं छह से रात्रि 10 बजे तक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक केंद्रों के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी।

श्रीमती वृष्णि ने बताया कि दो जनवरी को पीले चावल बांटकर आमजन को उत्सव के लिए न्यौता दिया जाएगा। इसमें रौबीले, लोक कलाकार और सजे-धजे ऊंट-घोड़े साथ रहेंगे। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से समस्त तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऊंट उत्सव बीकानेर की पहचान से जुड़ा आयोजन है। इसके मद्देनजर इसके आयोजन में किसी प्रकार की कमी नहीं रहे।

अंबेडकर को 'अपमानित और जलील' करने के लिए देश से माफी मांगे कांग्रेस : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बदनाम करने के मकसद से अभियान चलाने का आरोप लगाया और कहा कि इस तरह के 'नाटक' में शामिल होने के बजाय उसे बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को 'अपमानित और जलील' करने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

पार्टी ने कांग्रेस पर यह आरोप भी लगाया कि वह राज्यसभा में शाह के हालिया भाषण के एक छोटे से हिस्से का इस्तेमाल 'अपनी राजनीतिक पहचान' स्थापित करने के लिए संदर्भ से बाहर कर रही है।

कांग्रेस ने शाह के खिलाफ सप्ताह भर का राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। उसका आरोप है कि पिछले हफ्ते राज्यसभा में संविधान पर चर्चा में भाग लेने के दौरान शाह ने अपनी टिप्पणियों से अंबेडकर का अपमान किया।

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के 'अपमान' के लिए शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़क पर उतरकर अपनी मुहिम तेज करेगी और आगामी सप्ताह को 'अंबेडकर सम्मान सप्ताह' के रूप में मनाएगी।

पार्टी ने कहा कि इस विषय पर पार्टी के सांसद और वरिष्ठ नेता 22 और 23 दिसंबर को देश के अलग-अलग शहरों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे तथा 24 दिसंबर को हर जिले में 'अंबेडकर सम्मान मार्च' निकाला जाएगा।

कांग्रेस पर पलटवार करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अंबेडकर के जीवनकाल में और बाद में 'हमेशा उनका अपमान' किया, और अब वह उनकी विरासत को याद करने का नाटक कर रही है। प्रसाद ने पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अंबेडकर को हमेशा अपमानित और जलील करने वाली कांग्रेस देशभर में संवाददाता सम्मेलन कर रही है... इस नाटक को बंद करिए। इस पाखंड को बंद करिए।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस को बीआर अंबेडकर के जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद उनकी विरासत को लेकर किए गए सभी अपमानों के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। सबसे पहले सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और फिर संवाददाता सम्मेलन कीजिए।'' प्रसाद ने यह भी कहा कि कि देश की जनता काफी परिपक्व है और कांग्रेस का प्रयास सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा देशभर में संवाददाता सम्मेलन कर कांग्रेस का पर्दाफाश करेगी और लोगों को बताएगी कि किस तरह पार्टी और उसके नेताओं ने अंबेडकर का अपमान किया। उन्होंने कहा, ''हमारे पास सभी सबूत हैं।''

भाजपा नेता ने संसद परिसर में सत्तारूढ़ और विपक्षी सांसदों के बीच पिछले हफ्ते हुई झड़प के सिलसिले में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी को 'सम्मान का तमगा' बताने के लिए कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी के खिलाफ (भाजपा) सांसदों के साथ धक्कामुक्की करने और उन्हें चोटिल करने के लिए मामला दर्ज किया गया था और कांग्रेस के एक महासचिव, जो उनके बहुत करीबी हैं, ने कहा कि यह बाबा साहेब अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने की उनकी लड़ाई में सम्मान का तमगा है। क्या झूठ का पुलिंदा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी ने अंबेडकर की विरासत का अपमान करने के लिए 'बेइज्जती का बिल्ला' लगाया है।

बांग्लादेश पर त्रिपुरा का 200 करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया

अगरतला/भाषा। बांग्लादेश पर त्रिपुरा का 200 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है। राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश को बिजली आपूर्ति रोकने पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड के माध्यम से त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड पड़ोसी देश को 60-70 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करता है। इसके लिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के साथ एक समझौता किया गया है। साहा ने यहां पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''बांग्लादेश ने हमें बिजली आपूर्ति के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। बकाया राशि हर दिन बढ़ रही है। हमें उम्मीद है कि वे अपना बकाया चुका देंगे, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो।'' यह पूछने पर कि यदि ढाका बकाया भुगतान करने में विफल रहता है, तो क्या त्रिपुरा सरकार बिजली की आपूर्ति रोक देगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में बिजली उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए कई मशीनरी बांग्लादेशी क्षेत्र या चटगांव बंदरगाह के माध्यम से लाई गई थी। इसलिए, कृतज्ञता के कारण त्रिपुरा सरकार ने एक समझौते के बाद देश को बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी। उन्होंने कहा, ''लेकिन, मुझे नहीं पता कि अगर वे बकाया राशि का भुगतान नहीं करते हैं तो हम बांग्लादेश को कब तक बिजली की आपूर्ति जारी रख पाएंगे।'' त्रिपुरा ने मार्च 2016 में बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति शुरू की। बिजली का उत्पादन दक्षिणी त्रिपुरा के पलटाना में सरकारी स्वामित्व वाली ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (ओटीपीसी) के गैस आधारित 726 मेगावाट उत्पादन क्षमता वाले बिजली संयंत्र में किया जाता है।

श्रद्धालुओं को कॉरिडोर से प्रयागराज की झांकी देखने को मिलेगी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ मेले की तैयारियों का जायजा लेने के बाद सोमवार को कहा कि महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को संगम का सानिध्य तो हासिल होगा ही, उन्हें पहली बार कॉरिडोर के माध्यम से प्रयागराज की झांकी देखने को भी मिलेगी।

महाकुंभनगर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, अक्षयवट कॉरिडोर का प्रधानमंत्री के कर कमलों से उद्घाटन हो चुका है। श्रद्धालुओं को लेटे हुए हनुमान जी कॉरिडोर को भी पहली बार देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही सरस्वती कूप कॉरिडोर, पाताल कूप कॉरिडोर, महर्षि भरश्रे कॉरिडोर और शृंगवेरपुर में भगवान राम और निषादराज कॉरिडोर का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, टेंट सिटी का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर हो रहा है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण 20,000 श्रद्धालुओं और 5,000 विशिष्ट जनों के लिए टेंटें का निर्माण कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 20,000 से अधिक संतों, संगठनों और अन्य संस्थाओं का पंजीकरण करते हुए उन्हें भूमि आवंटन कर दिया गया है। इसमें सभी 13 अखाड़े, दंडी बाड़ा और आचार्य बाड़ा के साथ प्रयागवाल सभा शामिल हैं। उन्होंने कहा, नई संस्थाओं को हर हाल में पांच जनवरी तक भूमि आवंटित करने का लक्ष्य है। भूमि और सुविधाओं के लिए प्रदेश सरकार ने पर्याप्त व्यवस्था की है। मेला क्षेत्र में 250 'साइनेज' (मार्ग सूचक), जबकि शहर में 651 स्थानों पर 'साइनेज' लगाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार पांटून पुल की संख्या 22 से बढ़ाकर 30 की गई है, जिसमें से 20 पांटून पुल पूरी तरह से तैयार हैं, जबकि बाकी का निर्माण कार्य 30 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में 651 किलोमीटर क्षेत्र में 'चकर्ड प्लेट' बिछनी है, जिसमें से अब तक 330 किलोमीटर क्षेत्र में यह बिछाई जा चुकी है।

योगी ने कहा, यहां गंगा जल शुद्ध है और स्नान एवं आचमन के लायक है। मलजल, उद्योगों का अपशिष्ट कहीं भी नदी में न गिरे, इसके लिए जगह-जगह एसटीपी (मलजल शोधन यंत्र) तो चालू हैं, साथ ही जियो ट्यूब और बायो रेमेडिएशन के माध्यम से जल के शुद्धिकरण के कार्यक्रम को सुनिश्चित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने 'रोजगार मेले' के नाम पर 'इवेंट मैनेजमेंट स्टंट' किया: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगार बांटने का 'इवेंट मैनेजमेंट स्टंट' किया है जो हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे को छिपाने के लिए लीपापोती करने का प्रयास है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार के विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में लाखों पद रिक्त हैं, लेकिन सरकार इन्हें नहीं भर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भर्ती अभियान 'रोजगार मेला' के तहत करीब 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवाओं के सामर्थ्य और प्रतिभा का भरपूर उपयोग उनकी सरकार की प्राथमिकता है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी जी ने आज फिर चंद हजार रोजगार बांटने का 'इवेंट मैनेजमेंट स्टंट' किया है। अपने दो करोड़ हर साल नौकरियों देने के वादे को छिपाने के लिए उन्हें समय-समय पर ऐसी लीपापोती करनी पड़ती है।'' उनका कहना है कि सूचना के अधिकार कानून के तहत दायर आवेदन से पता चला है कि केवल केंद्र सरकार के 80 विभागों में अकेले 9.56 लाख पद खाली हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''देश की सुरक्षा से जुड़े रक्षा विभाग में भी 2.13 लाख पद रिक्त हैं। अग्निवीर योजना ने युवाओं का भविष्य बिगाड़ दिया है। रेलवे में 3.16 लाख अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी है, मानव संसाधन की कमी के चलते रेल हादसे बढ़े हैं।

उप्र 'ईज ऑफ डूइंग क्राइम' में नंबर-वन बन गया : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को राज्य सरकार की कानूनव्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा कि उप्र अब 'ईज ऑफ डूइंग क्राइम' में नंबरवन बन गया है। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने क्रमवार पोस्ट में लखनऊ और सहारनपुर में चोरी और लूट की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा ''उप्र अब 'इज ऑफ डूइंग क्राइम' में हुआ नंबर वन।''

इसी पोस्ट में यादव ने, उप्र की राजधानी के चिनहट इलाके में एक बैंक में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर हुई चोरी की तस्वीर साझा करते हुए कहा ''आज का एपिसोड... लखनऊ का ओवरसीज बैंक, जहाँ लॉकर काटकर बहुमूल्य सम्पदा चोरी हुई। कल सहारनपुर में बैंक लुटा था।''

अखिलेश यादव ने एक अलग पोस्ट में चोरी का सहारनपुर का वीडियो साझा किया।

लखनऊ में, इंडियन ओवरसीज बैंक की चिनहट शाखा में कुछ लॉकर टूटे हुए पाए गए और उनमें से सामान गायब था। चोरी लखनऊ के मटियारी स्थित शाखा में हुई।

बैंक प्रबंधक संदीप सिंह ने बताया कि उन्हें आशंका है कि चोरों ने बैंक की खाली जमीन वाली दीवार में छेद करके इमारत के अंदर चोरी की। पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि इस काम में चार लोग शामिल हैं।

महाकुंभः श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात किए जाएंगे 50,000 पुलिसकर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने सोमवार को कहा कि महाकुंभ मेला 2025 में आतंकी खतरों, साइबर हमलों, हमलावर ड्रोन और मानव तस्करी से निपटने के लिए प्रयागराज में 50,000 पुलिसकर्मियों की एक मजबूत टीम तैनात की जाएगी।

हर 12 साल में होने वाला महाकुंभ प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। महाकुंभ में करीब 45 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है। उप्र के डीजीपी कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए गए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि वह सुरक्षित कुंभ के लिए व्यक्तिगत रूप से सुरक्षा उपायों की निगरानी कर रहे हैं। प्रशांत कुमार ने कहा कि यह कुंभ वास्तव में डिजिटल होगा, जिसमें पुलिस बल आधुनिक तकनीकों जैसे एआई सक्षम कैमरे ड्रोन का प्रयोग करने के अलावा हमलावर ड्रोन का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने के लिए प्रभावी रणनीति का उपयोग करेगा।

साइबर अपराधों में वृद्धि के बीच पुलिस तीर्थयात्रियों को साइबर अपराधियों से बचाने के लिए सभी उपाय कर रही है। डीजीपी ने कहा, महाकुंभ से पहले पुलिस बल ने 'फ्यूचर क्राइम रिसर्च फाउंडेशन' से निजी विशेषज्ञों की एक टीम को काम पर रखा है और साइबर धोखाधड़ी और अपराधों से तीर्थयात्रियों को बचाने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ गठजोड़ किया है। उन्होंने कहा हमने पहली बार महाकुंभ क्षेत्र में एक साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किया है। हमने साइबर गश्त और साइबर सुरक्षा नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 'आईफोरसी' और 'सर्ट-इन' जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों को शामिल किया है। वे डेटा सुरक्षा पर भी काम करेंगी। पुलिस की तैनाती के बारे में पूछे जाने पर, कुमार ने कहा कि इस बार लगभग 50,000 पुलिसकर्मी ड्यूटी पर होंगे, जो 2019 में पिछले कुंभ की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है।

मेले में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती भीड़ प्रबंधन और यातायात योजना के बारे में कुमार ने कहा कि यातायात की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और भीड़भाड़ के स्रोत पर प्रभावी उपाय किए जाएंगे। डीजीपी ने कहा, हमने 2,700 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, जिनमें एआई क्षमता वाले कैमरे भी शामिल हैं और भीड़ के घनत्व, आवाजाही, प्रवाह, बैरिकेड जंपिंग, आग और धुएं के बारे में सूचना देने के प्रबंध किए गए हैं। स्वचालित नंबर प्लेट पहचान क्षमताओं के साथ, पार्किंग क्षेत्रों का प्रबंधन किया जाएगा और शहर में आने वाले वाहनों की संख्या का अनुमान लगाया जा सकेगा। एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र, जिसमें चार शाखाएं हैं--- तीन मेला क्षेत्र में और एक शहर में- भीड़ की आवाजाही पर 24 घंटे नजर रखेगा।

युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्धः रीजीजू

नाहरलगुन/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को देश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। रीजीजू ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (उत्तर पूर्व सीमांत मुख्यालय) द्वारा आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए पिछले 10 वर्षों में केंद्र के विकास प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि रोजगार मेलों का उद्देश्य युवाओं को पारदर्शी तरीके से रोजगार उपलब्ध कराना है।

संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रीजीजू ने केंद्रीय सशस्त्र बलों के लिए चयनित 258 सफल प्रतियोगियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। रीजीजू ने नए भर्ती हुए युवाओं को बधाई देते हुए उन्हें 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ने सफल प्रतियोगी को भविष्य में देश के नेतृत्व की जिम्मेदारी लेने की अपील करते हुए इसे राष्ट्र सेवा की दिशा में पहला कदम करार दिया।

सिक्किम : केंद्रीय मंत्री ने 'रोजगार मेले' के दौरान नियुक्ति पत्र दिये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने सोमवार को यहां आयोजित 'रोजगार मेला 2024' में 80 लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''आज नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं को राष्ट्रीय विकास के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेना चाहिए।'' केंद्रीय आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री जाधव ने नवनियुक्त लोगों से कड़ी मेहनत करने और 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने का भी आग्रह किया।

दिल्ली चुनावः भाजपा ने केजरीवाल के खिलाफ जारी किया 'आरोपपत्र', सत्ता से आप को हटाने का संकल्प जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ 'आरोपपत्र' जारी किया जिसमें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री पर राजधानी को ''घोटालों के माध्यम से भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बनाने'' का आरोप लगाया गया है। भाजपा के इन आरोपों पर आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की दिल्ली इकाई ने एक 'आरोपपत्र समिति' बनाई थी जिसने सत्तारूढ़ आप के विधायकों की कथित विफलताओं को गिनाते हुए विस्तृत रिपोर्ट जारी की हैं। ठाकुर ने आरोप लगाया, ''यह कैसी पार्टी है जो भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने का वादा करके सत्ता में आई और शराब नीति, दिल्ली जल बोर्ड, डीटीसी तथा वक्फ बोर्ड से जुड़े आठ से नौ घोटालों में लिप्त रही।'' उन्होंने नारा दिया, ''घोटाले पे घोटाला, केजरीवाल ने बनाया दिल्ली को भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला।'' उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली की सत्ता से आप को हटाकर रहेगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली में शिक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर भी आप तथा केजरीवाल पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी नए मोहल्ला क्लीनिक तथा अस्पताल खोलने में विफल रही और उसने शहर के स्वास्थ्य ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्र के धन का उपयोग नहीं किया। ठाकुर ने आरोप लगाया कि वायु प्रदूषण से राहत दिलाने के लिए कनॉट प्लेस में लगाया गया 'स्मॉग टॉवर' बेकार पड़ा है, लेकिन आप सरकार ने विज्ञापन पर करोड़ों रुपये खर्च कर दिए।

शमी पूरी तरह फिट नहीं, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन पर विचार नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों की टीम के चयन की दौड़ से बाहर रहेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

शमी (34 साल) भारत के लिए पिछला टूर्नामेंट नवंबर 2023 में वनडे विश्व कप फाइनल में खेले थे और इसके बाद टखने की सर्जरी के कारण उन्हें लंबे समय तक बाहर रहने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने इस चोट से उबर कर पिछले महीने रणजी मैच में मध्यप्रदेश के खिलाफ बंगाल का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने इस मैच में 43 ओवर गेंदबाजी की थी। भारतीय टीम में वापसी की उम्मीदों को पुख्ता करने के लिए शमी ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी (एसएमएटी) के दौरान बंगाल के सभी नौ मैच खेले। वह विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम का भी हिस्सा हैं, लेकिन शनिवार को दिल्ली के खिलाफ शुरुआती मैच में नहीं खेले। उनकी फिटनेस पर काफी बहस और अटकलें लगाई जा रही हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ब्रिसबेन टेस्ट के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के फिजियो से इस मामले पर स्पष्टता मांगी थी। शमी को एसएमएटी खेलते समय घुटनों में सूजन आ गई थी और इस संबंध में बीसीसीआई की ओर से आखिरकार सोमवार को स्पष्टीकरण आया।

बीसीसीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, '' मौजूदा चिकित्सा मूल्यांकन के आधार पर बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने निर्धारित किया है कि उनके घुटने को नियमित गेंदबाजी के भार से सामंजस्य बैठाने के लिए और समय की आवश्यकता है। ऐसे में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट के लिए उनके नाम पर विचार करने के लिए फिट नहीं माना गया है।''

भारतीय टीम में 20 विकेट लेने की क्षमता बहुत अच्छी नहीं हैः पुजारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। चेतेश्वर पुजारा ने सोमवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही भारतीय टीम का गेंदबाजी आक्रमण उतना मजबूत नहीं है जो वह एक टेस्ट मैच में 20 विकेट ले सके तथा यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम दो मैच में टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैच की श्रृंखला अभी 11 से बराबर है। अगले दो टेस्ट मैच मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे।

भारत अभी तक गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर रहा है। उन्होंने लाल और गुलाबी गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल पा रहा है।

पुजारा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''मेरा सबसे बड़ा सवाल और थोड़ी चिंता का कारण यह है कि भारतीय गेंदबाजी थोड़ी कमजोर दिख रही है।'' उन्होंने कहा, ''बल्लेबाजी थोड़ी बेहतर है भले ही चोटी के पांच बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं लेकिन मध्यक्रम और निचले मध्यक्रम के बल्लेबाज जैसे कि रविंद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी तथा यहां तक कि बुमराह और आकाशदीप भी बल्ले से अपना योगदान दे रहे हैं।''

पुजारा ने कहा, ''अब जबकि गेंदबाजी कमजोर है तो फिर टीम संयोजन क्या होगा। यह सबसे बड़ा सवाल है क्योंकि आप नीतीश को बाहर नहीं कर सकते, जडेजा को बाहर नहीं कर सकते, तो फिर टीम का संयोजन क्या होगा।''

इस बल्लेबाज को लगता है कि नीतीश रेड्डी और रविंद्र जडेजा चौथे और पांचवें गेंदबाज की भूमिका अच्छी तरह से नहीं निभा पा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास ले लिया है और मुझे नहीं लगता कि हम मेलबर्न में दो स्पिनर के साथ उतरेंगे। ऐसे में आप अपनी गेंदबाजी को कैसे मजबूत करेंगे। क्योंकि तीनों तेज गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन चौथे और पांचवें गेंदबाज के रूप में नीतीश और जडेजा से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है। अगर आप इन दोनों को जोड़ कर देखते हैं तो गेंदबाजी बहुत अच्छी नजर नहीं आती है।''

पुजारा ने कहा, ''हमें इस पर विचार करना होगा क्योंकि अगर आप टेस्ट मैच जीतना चाहते हैं तो आपको 20 विकेट लेने होंगे तथा हमारी 20 विकेट लेने की क्षमता अच्छी नहीं है। हमारे अन्य गेंदबाज सहयोगी की अपनी भूमिका अच्छी तरह से नहीं निभा पा रहे हैं। इसलिए हमें इस विभाग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा तथा यह कैसा होगा मैं नहीं जानता लेकिन यह बड़ा सवाल है।''

सुविचार

जिस प्रकार मिट्टी के खिलौने का हाथी या फल देखना असली हाथी या फल की याद दिलाते हैं, उसी प्रकार ईश्वर के चित्र और मूर्तियाँ भी उस परमात्मा की याद दिलाते हैं जोकि सनातन और सर्वव्यापी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बोए पेड़ बबूल का तो ...

जर्मनी में मैगडेबर्ग शहर के क्रिसमस बाजार में सऊदी मूल के एक व्यक्ति द्वारा कई राहगीरों को अपने वाहन से कुचले जाने की घटना उस संकट का संकेत देती है, जिसका सामना इस देश को भविष्य में बड़े स्तर पर करना पड़ सकता है। जर्मनी ने पिछले कुछ दशकों में बिना सोच-विचार किए दुनियाभर से आए इतने लोगों को पनाह दे दी है, जिनमें से कई तो अब उसके लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। न सिर्फ जर्मनी, बल्कि पश्चिम के कई देश ऐसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। दरअसल इनकी सरकारों को बहुत बड़ा भ्रम है कि हम तो उदारवाद और बहुसांस्कृतिक समाज के पैरोकार हैं, लिहाजा दुनिया में कहीं से भी कोई शख्स यहां आएगा और रहेगा तो वह यहीं की संस्कृति में घुलमिल जाएगा। बहुत लोग ऐसे होते हैं। उदाहरण के लिए, भारत से कितने ही उच्च शिक्षित लोगों ने रोजगार के सिलसिले में पश्चिमी देशों का रुख किया। उन देशों ने उनके लिए दरवाजे खोले तो उन्होंने भी वहां रहकर बेहतर समाज, मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान दिया। भारतीयों के लिए तो कहा जाता है कि ये जहां जाते हैं, वहां अच्छी तरह से घुलमिल जाते हैं। कुछ देशों के नागरिकों के मामले में स्थिति बिल्कुल उलट है। वहां कई लोग ऐसे भी होते हैं, जो पश्चिमी देशों में प्रवेश पाने की अनुमति मिलने से पहले काफी उदारवादी व सहिष्णु होने का दिखावा करते हैं। एक बार जब उन्हें रहने की अनुमति मिल जाती है, उसके बाद वे उसी देश के लिए मुसीबतें खड़ी करना शुरू कर देते हैं। ऐसी घटनाओं के एक-दो नहीं, बल्कि दर्जनों उदाहरण हैं।

क्रिसमस बाजार में हमले का आरोपी कोई सामान्य व्यक्ति नहीं है। वह डॉक्टर है, जो वर्ष 2006 में जर्मनी आया था। उसे स्थायी निवास की अनुमति दे दी गई थी। इस घटना ने एक बार फिर यह धारणा ध्वस्त कर दी कि आतंकवाद को सिर्फ उच्च शिक्षा से खत्म किया जा सकता है। जो व्यक्ति डॉक्टर हो, जिसने कई मरीजों का इलाज किया हो, क्या उसकी डिग्रियों में कोई कमी रह गई थी? पश्चिमी देश इस हकीकत को स्वीकार करने के लिए अब तक तैयार नहीं हैं कि आतंकवाद की जड़ में कट्टरपंथ का विष है। इसके संपर्क में आने वाला व्यक्ति उच्च शिक्षित हो या निरक्षर, वह गड़बड़ कर सकता है। कुख्यात आतंकवादी अयमान अल-ज़वाहिरी तो सर्जन था। हाफिज सईद के पास दो मास्टर डिग्री हैं। वह पाकिस्तान की इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी में शिक्षक रह चुका है। पिछले साल अगस्त में अमेरिका में एच1-बी वीजा पर काम करने वाला एक पाकिस्तानी डॉक्टर आईएसआईएस की मदद करने और 'लोन वुल्फ' हमला करने की कोशिश में लिप्त पाया गया था। मोहम्मद मसूद नामक वह डॉक्टर गिरफ्तारी के वक्त सिर्फ 31 साल का था। अमेरिका ने उसे बेहतरीन माहौल दिया, नौकरी दी, सम्मान दिया, लेकिन वह डॉक्टर आईएसआईएस में भर्ती होकर उसी देश को तबाह करने का सपना देख रहा था! मिनेसोटा के मेडिकल क्लिनिक में अनुसंधान समन्वयक रहा डॉ. मसूद न तो ग़रीब परिवार से था, न अशिक्षा ने उसका रास्ता रोका, न उसके साथ कोई भेदभाव किया गया था। इसके बावजूद उसे अमेरिकी समाज से इतनी नफरत थी कि वह लोगों की हत्याएं करने की साजिशें रच रहा था। अगर उसे समय रहते नहीं पकड़ा जाता तो वह निश्चित रूप से बड़ी वारदात को अंजाम देता। अगस्त 2021 में जब तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया तो कई लोगों ने पश्चिमी देशों में पनाह ली थी। इसके कुछ महीने बाद जर्मनी समेत विभिन्न देशों से ऐसी खबरें आने लगीं कि कथित शरणार्थियों ने किसी आराधना स्थल में तोड़फोड़ की, किसी महिला के पहनावे पर अभद्र टिप्पणी की या किसी अपराध में लिप्त पाए गए। ये घटनाएं कनाडा के लिए भी सबक हैं, जिसने उग्रवाद समर्थक कई लोगों को मनमानी करने की छूट दे रखी है। ये भविष्य में उसके लिए सिरदर्द बनेंगे। बोए पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय! इन देशों में ऐसे हालात के लिए वोटबैंक की राजनीति भी एक बड़ी वजह है, जिससे अब परहेज करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

तीर्थराज प्रयाग स्थित दशाश्वमेध घाट पर आज माँ गंगा के पूजन एवं आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महाकुम्भ-2025 दिव्य हो, भव्य हो, सुरक्षा, स्वच्छता एवं सुव्यवस्था के नए मानक गढ़े, माँ गंगा, यमुना एवं सरस्वती से यही प्रार्थना है।

-योगी आदित्यनाथ

मां भारती की रक्षा में कार्यरत, बायतु के लाल श्री हनुमान राम कड़वासरा जी के उत्तराखंड में शहीद होने का अत्यंत दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर वीर जवान को अपने श्री चरणों में स्थान और शोक संतप्त परिजनों को असीम दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें।

-दीया कुमारी

कोटपूतली में तीन वर्षीय चेतना बिटिया के बोरवेल में गिरने की घटना अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। संबंधित अधिकारियों से बिटिया के सफल राहत एवं बचाव हेतु बातचीत की एवं ईश्वर से उसके सकुशल वापसी की प्रार्थना की।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

दान की प्रतिष्ठा

मालवा के परमार वंशी राजा भोज के राजकवि ने भोजपुर के मार्ग में एक फटेहाल व्यक्ति को पैदल जाते हुए देखा। जेठ की गर्मी थी। लू के दिनों की तपी हुई हवा चमड़ी को झुलसा रही थी और उस आदमी के पांवों में जूते नहीं थे। कोमल हृदय कवि ने अपने पैरों के जूते निकाल कर उस दुर्दशाग्रस्त को दे दिये। कवि नंगे पांवों जलती हुई दुपहरी में आनन्दपूर्वक चलने लगे। थोड़ी दूर चलने पर एक महावत ने राजकवि को हाथी पर बिठा लिया। संयोग से रास्ते में उन्हें रथ में बैठे हुए राजा भोज मिल गए। भोजराज ने पूछा, 'कविराज, यह हाथी कहां से मिला?' कवि बोले, 'हे राजन! मैंने अपना जूता दान कर दिया, उस पुण्य से हाथी पर बैठा हूं। जो धन दिया नहीं जाता वह तो व्यर्थ ही है। दान के तुल्य कोई निधि नहीं है। बड़ों से सुना है कि धन की तीन गति होती हैं- दान, भोग और नाश; जो न दान देता है, न खाता है उसकी तीसरी गति होती है।'

सामयिक

शरणार्थी बच्चों की शिक्षा का मुद्दा

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी की ओर से हाल ही में जारी एक रपट कहती है कि फरवरी, 2022 से यूक्रेन और रूस में युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन के लगभग दो-तिहाई बच्चों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एक अनुमान के अनुसार, यूक्रेन में चार मिलियन बच्चों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है और 1,300 से अधिक स्कूल नष्ट हो गए हैं। इसी तरह के हालात रूस के कुछ क्षेत्रों में भी दिखाई देते हैं, जो इस बात की तस्दीक करते हैं कि युद्ध के बाद दोनों देशों में बचपन संकटग्रस्त है। एक अनुमान के अनुसार, संकटों से प्रभावित दुनिया में करीब 224 मिलियन बच्चों को शैक्षिक सहायता की आवश्यकता है, जिनमें 72 मिलियन से अधिक ऐसे बच्चे शामिल हैं, जो स्कूल नहीं जा सकते। मिलियन शरणार्थी बच्चों में से 3.7 मिलियन (आधे से अधिक) बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं। स्टेपिंग अप: रिफ्यूजी एजुकेशन इन क्राइसिस नामक रिपोर्ट से पता चलता है कि जैसे-जैसे शरणार्थी बच्चे बड़े होते हैं, उन्हें शिक्षा तक पहुंचने से रोकने वाली बाधाओं को दूर करना कठिन होता जाता है। केवल 63 प्रतिशत शरणार्थी बच्चे प्राथमिक विद्यालय जाते हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 91 प्रतिशत है। दुनिया भर में 84 प्रतिशत किशोरों को माध्यमिक शिक्षा मिलती है, जबकि केवल 24 प्रतिशत शरणार्थियों को ही यह अवसर मिलता है। यूएनएचसीआर का कहना है कि स्कूल वह जगह है, जहां शरणार्थियों को दूसरा मौका मिलता है। शरणार्थियों को उनके भविष्य में निवेश करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान विकसित करने का अवसर न देकर उन्हें विफल किया जा रहा है, जो कि नहीं होना चाहिए।

रिपोर्ट कहती है कि शरणार्थियों को अनौपचारिक समानांतर स्कूलों में जाने के बजाय राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जाना चाहिए और उन्हें प्री-प्राइमरी, प्राइमरी और सेकेंडरी स्कूल के माध्यम से औपचारिक, मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम का पालन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इससे उन्हें मान्यता प्राप्त योग्यताएं मिलेंगी, जो विश्वविद्यालय या उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए उनके लिए स्प्रिंगबोर्ड हो सकती हैं। भले ही शरणार्थी किशोर बाधाओं को पार करके माध्यमिक विद्यालय तक पहुंच जाते हैं, लेकिन केवल तीन प्रतिशत ही इतने भाग्यशाली होते हैं कि उन्हें किसी प्रकार की उच्च शिक्षा मिल पाती है। यह वैश्विक आंकड़ा 37 प्रतिशत के मुकाबले बहुत कम है। दुनिया भर के शरणार्थी बच्चों की शिक्षा का मुद्दा बहुत जरूरी है। 2018 के अंत तक दुनिया भर में 25.9 मिलियन से ज्यादा शरणार्थी थे, जिनमें से 20.4 मिलियन यूएनएचसीआर के अधीन थे। उनमें से लगभग आधे 18 साल से कम उम्र के थे और लाखों लोग लंबे समय से मुश्किल हालात में जी रहे थे। इनके घर लौटने की उम्मीद भी कम थी।

संकट के समय बच्चों की शिक्षा को सबसे ज्यादा प्रभावित किया जाता है। संकट के दौरान शिक्षा को सबसे पहले निलंबित किया जाता है और सबसे आखिर में बहाल किया जाता है। संकट के समय बच्चों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। इनमें बच्चों की शिक्षा और कल्याण को बनाए रखना जरूरी है। संकट से प्रभावित बच्चों को शिक्षा सहायता देनी होगी। शिक्षा प्रणालियों को ज्यादा संसाधनों की जरूरत होती है, लेकिन उन्हें मानवीय सहायता का तीन प्रतिशत से भी कम हिस्सा मिलता है। इसे बढ़ाना होगा।

जो लोग सीखना जारी रख सकते हैं, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

इसी तरह साल 2023 में जारी किए गए एक वैश्विक अध्ययन में पाया गया है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता वाले संकटग्रस्त बच्चों की संख्या बढ़ रही है। अध्ययन यह भी दर्शाता है कि समस्या केवल पहुंच की नहीं है, बल्कि गुणवत्ता की भी है। संकटग्रस्त आधे से अधिक बच्चे शिक्षा में न्यूनतम दक्षता भी हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इस अध्ययन में सभी के लिए समावेशी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात कही गई है। अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि संकटों में बेहतर सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा महत्वपूर्ण ह्ट। वहीं सामूहिक कार्रवाई के लिए वैश्विक भलाई के रूप में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की तत्काल आवश्यकता वाले संकटग्रस्त बच्चों पर डाटा अंतराल को भरने की जरूरत है। हालांकि इस दिशा में प्रयास उतने नहीं हो पा रहे हैं, जितने कि होने चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूल जाने योग्य 7.1

वहीं संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चौंका देने वाले आंकड़े दर्शाते हैं कि संकट प्रभावित स्कूली उम्र के ऐसे बच्चों की संख्या बढ़ रही है, जिन्हें शैक्षणिक समर्थन की आवश्यकता है। इस

रिपोर्ट के अनुसार, जरूरतमंद बच्चों की संख्या वर्ष 2016 में साढ़े सात करोड़ से बढ़कर अब 22 करोड़ 20 लाख तक पहुंच गई है। रिपोर्ट कहती है कि आपात हालात और लंबे समय से चले आ रहे संकट प्रभावित इलाकों में शिक्षा के लिए इन 22 करोड़ से अधिक लड़के-लड़कियों में सात करोड़ 82 लाख बच्चे स्कूल से बाहर हैं। लगभग 12 करोड़ बच्चे स्कूल में उपस्थिति के बावजूद गणित या पढ़ने में न्यूनतम कौशल हासिल नहीं कर पा रहे हैं। संकटों के असर से जूझ रहे हर 10 में से केवल एक बच्चा ही प्राथमिक या माध्यमिक स्तर पर वास्तविकता में निपुणता मानकों पर खरा उतर पा रहा है। संकट प्रभावित इलाकों में हिंसक टकराव, विस्थापन और जलवायु व्यवधान भविष्य के लिए उनके सपनों को छीनने का काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट के विश्लेषण के अनुसार, स्कूल से वंचित होने वाले 84 प्रतिशत बच्चे लंबे समय से जारी संकटों से प्रभावित इलाकों में रह रहे हैं। इनमें अफगानिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया, माली, नाइजीरिया, पाकिस्तान, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सूडान और यमन समेत अन्य देश हैं। यूएन का कहना है कि जरूरतें कभी भी इतनी विशाल और इतनी तात्कालिक नहीं रही हैं। कोविड के कारण निर्धनतम परिवारों में शिक्षा का नुकसान अधिक हुआ है। साथ ही वे समुदाय भी प्रभावित हुए हैं, जो पहले से ही शिक्षा में पिछड़ रहे थे। इन दोनों श्रेणियों में आम तौर पर संकट प्रभावित इलाकों में रहने वाले बच्चे आते हैं। यूएन का कहना है कि संकट प्रभावित बच्चों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा हर हाल में करनी ही होगी। इनमें न्यायोचित, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार शामिल है। हम सभी को शिक्षा को हर स्थान पर हर बच्चे की पहुंच में रखने के प्रयास करने होंगे।

एजुकेशन कैन नॉट वेट (ईसीडब्ल्यू) की रिपोर्ट कहती है कि संकटग्रस्त देशों में केवल 25 मिलियन बच्चे ही स्कूल में हैं और न्यूनतम दक्षता स्तर प्राप्त कर रहे हैं। इन देशों में जबरन विस्थापित आबादी में स्कूल न जाने वाले बच्चों की दर चिंताजनक रूप से उच्च बनी हुई है, जो स्कूली आयु वर्ग के बच्चों के लिए लगभग 58 प्रतिशत है। लगभग 14.5 मिलियन बच्चों को कार्यात्मक कठिनाइयां हैं और वे स्कूल नहीं जा रहे हैं। इनमें से लगभग 11 मिलियन उच्च-तीव्रता वाले संकटों में केंद्रित हैं। इन क्षेत्रों में माध्यमिक शिक्षा तक पहुंच अपर्याप्त है, निम्न माध्यमिक विद्यालय आयु वर्ग के लगभग एक तिहाई बच्चे स्कूल से बाहर हैं। उच्च माध्यमिक विद्यालय आयु वर्ग के लगभग आधे बच्चे शिक्षा तक पहुंच पाने में असमर्थ हैं।

एक अनुमान के अनुसार, तीन वर्ष की आयु से लेकर उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पूरी करने की अपेक्षित अवधि के अंत तक कम से कम 25 मिलियन संकटग्रस्त बच्चे अंतर-एजेंसी योजनाओं और अपीलों से बाहर रह गए हैं, जो कि कुल वैश्विक संख्या का लगभग 9.4 प्रतिशत है। उप-सहारा अफ्रीका के संकटग्रस्त देशों के तुलनात्मक विश्लेषण से पता चलता है कि 7 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए सीखने की गति बार-बार होने वाली प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित देशों की तुलना में औसतन लगभग छह गुना धीमी हो सकती है। वहीं जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिम और संकट की गंभीरता के बीच एक संबंध है। वैश्विक स्तर पर आपात स्थितियों में स्कूल न जाने वाले लगभग 83 फीसदी बच्चे और स्कूल जाने वाले लेकिन पढ़ाई से वंचित रहने वाले लगभग 75 प्रतिशत बच्चे ऐसे देशों में रहते हैं, जिनका जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक वैश्विक औसत मूल्य 6.4 से अधिक है।

असल में संकट के समय बच्चों की शिक्षा को सबसे ज्यादा प्रभावित किया जाता है। संकट के दौरान शिक्षा को सबसे पहले निलंबित किया जाता है और सबसे आखिर में बहाल किया जाता है। संकट के समय बच्चों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। इनमें बच्चों की शिक्षा और कल्याण को बनाए रखना जरूरी है। संकट से प्रभावित बच्चों को शिक्षा सहायता देनी होगी। शिक्षा प्रणालियों को ज्यादा संसाधनों की जरूरत होती है, लेकिन उन्हें मानवीय सहायता का तीन प्रतिशत से भी कम हिस्सा मिलता है। इसे बढ़ाना होगा। शिक्षा प्रणालियों में शिक्षण और कर्मचारियों की कमी को पूरा करना होगा। डाटा अंतराल के कारण निर्णय लेने में दिक्कत होती है और समन्वय की चुनौतियां होती हैं। इन्हें दूर करना होगा। संकट के समय बच्चों को स्कूल से सुरक्षा मिलती है। साथ ही उन्हें जीवन रक्षक भोजन, पानी, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता की सुविधा भी मिलती है। इस दौरान बच्चों को मनोवैज्ञानिक सहायता भी देनी होगी। हमें इन पहलुओं पर गंभीरता से काम करना होगा। किसी भी बच्चे का बचपन संकट में आने पर उसे बाहर निकालना ही होगा, तभी बचपन बचेगा।

नजरिया

संविधान के नाम पर सिर्फ हंगामा

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

आज राजनीति का स्तर जिस तीव्रता से स्खलित होते जा रहा है। अब उनसे किसी भी तरह की सांस्कृतिक संस्कारी आचार संहिता का पालन करने की उम्मीद और आशा नहीं की जा सकती है। राजनीति दिशाहीन, सिद्धांत-विहीन हो गई है। पद और सत्ता का लालच राजनीतिक पार्टियों का अंतिम लक्ष्य हो गया है। आज जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव के समय सांसदों की अफरा-तफरी और विधायकों की खरीद-फरोख्त मैं मशगूल हो रही है, जातिवाद अवसरवाद पद लोलुपता सिर चढ़कर बोलने लगी है। निश्चित तौर पर लोकतंत्र शर्मिंदा होकर खंडित होने लगा है। संविधान की निर्मात्री सभा के सपने चूर चूर हो रहे हैं यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छे दूरगामी परिणामों के संकेत नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम जी ने कहा कि लोकतंत्र या प्रजातंत्र शब्द ग्रीक भाषा से अवतरित अंग्रेजी शब्द डेमोक्रेसी का हिंदी रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचालित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना चाहता, इसीलिए मुझे शासक भी नहीं होना चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर अग्रेषित करता है। मणिपुर की शर्मनाक हिंसात्मक घटना के बाद सारी की सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान धारासाही हो गए दूसरी तरफ राजनैतिक हिंसक घटनाओं के पीछे यदि कारण खोजे जाएं तो राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा में ही

कई कारण मिल जाएंगे। अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों द्वारा कब्जे के बाद वैश्विक अशांति का दौर चल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध औपनिवेशिकवाद तथा विस्तार वादी मंसूबों का परिणाम ही है । इसके अलावा अधिकांश लोकतांत्रिक देश इस अशांति से भयभीत और घबराए हुए और अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लग गए हैं। तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे से तालिबानी सोच पूरे विश्व में धीरे-धीरे फैलआने लगी है। खासकर लोकतांत्रिक देश जहां बोलने, सुनने, कहने और अपनी मनमर्जी करने की आजादी है, वहां लोकतंत्र का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व हिंसा का घिनौना खेल खेलने से नहीं चूक रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दुर्गा पंडाल पर हमला कर दिया जाता है, यह एक तालिबानी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान में सिखों को चुन-चुन कर मारा जाना भी इसी सोच का परिणाम है। लखीमपुर खीरी में बवाल मचाने वाले अनेक नेता जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों के जघन्य हत्याकांड पर अजीब तरीके से चुप हैं और उनकी सहानुभूति के लिए एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे हैं। आज हर व्यक्ति, हर पार्टी, हर समूह के लिए लोकतंत्र के मायने अलग-अलग हैं। जब तक इनका उल्लू सीधा होता रहता है तब तक यह लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, इनका स्वार्थ सधने के बाद लोकतंत्र हवा में वाष्पित हो जाता है।

भारत जैसे विशाल देश में इसे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है, इस देश में जिसकी मूल आत्मा ही प्रजातंत्र, लोकतंत्र है,यही पर यदि लगातार अलोकतांत्रिक घटनाएं होती रहेंगी और अलोकतांत्रिक व्यवहार दर्शित होता रहेगा तो लोकतंत्र की मूल भावना न सिर्फ आहत होगी बल्कि गायब भी होना शुरू हो जाएगी। यहीं से लोकतंत्र के स्खलन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम सारी अनुकूल प्रतिकूल परिस्थितियों पर गंभीरता के साथ विचार करें, तो पाएंगे कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जन्मी समस्याओं के पीछे शासन तंत्र नहीं बल्कि जनता के बड़े वर्ग का नेतृत्व करने वाले समूह इसका जिम्मेदार है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि जो लोग शासन करते हैं उन्हें देखना चाहिए कि लोग साथ प्रशासन पर किस तरह प्रतिक्रिया जाहिर करते हैं, क्योंकि प्रजातंत्र में अंतर मुखिया जनता ही होती है। दूसरी तरफ आम नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करते हुए कहा कि कानून का सम्मान किया जाना चाहिए ताकि हमारे लोकतंत्र की बुनियाद एवं उसकी संरचना बरकरार रहे और साथ ही मजबूती के साथ खड़ी रहे।

भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी कहना है कि लोकतंत्र में जनमत हमेशा निर्णायक होता है और हमें इसे विनम्रता से स्वीकार करना पड़ेगा। हम सभी देशवासियों को प्रजातंत्र की सफलता हेतु सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए अपने कर्तव्यों का भी पूर्ण निष्ठा से पालन करना होगा। जवाहरलाल नेहरु जी ने भी कहा था कि प्रजातंत्र और समाजवाद लक्ष्य पाने के साधन हैं, स्वयं लक्ष्य नहीं। भारत के संदर्भ में लोकतंत्र है प्रजातंत्र के बारे में यही कहा जा सकता है कि यदि जनता अशिक्षित हो या अधिक समझदार ना हो तब प्रजातंत्र की खामियां सबसे ज्यादा सामने आती है। यदि जनता अति शिक्षित एवं समझदार है तो इसे सर्वोत्तम शासन व्यवस्था कहा जा सकता है क्योंकि किस प्रणाली में जनता को अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार प्राप्त होता है। प्रजातंत्र की सफलता के लिए जनता को सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग कर अपने कर्तव्यों का भी निष्ठा से पालन करना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जम्मू-कश्मीर : आरक्षण नीति के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिले मुख्यमंत्री अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश की आरक्षण नीति का विरोध कर रहे छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को सोमवार को आश्वासन दिया कि आरक्षण नीति की समीक्षा के लिए गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति छह महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। छात्र नेताओं ने यह जानकारी दी।

विद्यार्थी अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधान निरस्त किये जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में लागू की गई आरक्षण नीति का विरोध कर रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता और श्रीनगर से लोकसभा सदस्य आगा रूहुल्ला मेहदी ने जम्मू-कश्मीर में आरक्षण को तर्कसंगत बनाने की मांग के समर्थन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया।

अब्दुल्ला से उनके आवास पर मुलाकात के बाद एक छात्र नेता ने संवाददाताओं को बताया, हमने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और आरक्षण के मुद्दे पर करीब 30 मिनट तक चर्चा की। चर्चा का सार यह था कि मुख्यमंत्री ने उप-समिति को अपना काम पूरा करने के लिए छह महीने का समय मांगा है।

नेकां के मुखर नेता मेहदी ने मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ रविवार को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने घोषणा की थी। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर में पहाड़ी भाषी लोगों को आरक्षण दिए जाने के साथ ही सामान्य श्रेणी की सीट घटकर मात्र 30 प्रतिशत रह गई है जबकि 70 प्रतिशत सीट विभिन्न समुदायों के लिए आरक्षित हैं।

चिकित्सा और शल्य चिकित्सा का प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र इस नीति का विरोध कर रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह विद्यार्थियों और मुख्यमंत्री के बीच हुई बैठक के नतीजे से संतुष्ट हैं, लोकसभा सदस्य ने कहा कि उनकी संतुष्टि कोई मायने नहीं रखती। मेहदी ने कहा, ''अगर छात्र संतुष्ट हैं, तो मैं भी संतुष्ट हूं। अच्छी बात यह है कि उप-समिति के कार्य की समयसीमा तय की गई है। पहले यह नहीं होती थी।

बांग्लादेश ने भारत को पत्र भेजकर शेख हसीना को वापस भेजने की मांग की

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सोमवार को कहा कि उसने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को ढाका वापस भेजने के लिए भारत को एक राजनयिक संदेश भेजा है।

हसीना (77) पांच अगस्त से भारत में निर्वासन में रह रही हैं। वह छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके साथ ही लगातार 16 साल से जारी उनके शासन का अंत हो गया था।

ढाका स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने ''मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार'' के लिए हसीना और उनकी कैबिनेट में शामिल मंत्रियों, सलाहकारों और सैन्य एवं प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

अंतरिम सरकार में विदेश मंत्री तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''हमने भारत सरकार को एक राजनयिक संदेश भेजा है, जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश में न्यायिक प्रक्रिया के लिए उन्हें (हसीना) वापस ढाका भेजा जाए।''

इससे पहले दिन में, गृह मंत्रालय के सलाहकार जहांगीर आलम ने कहा कि उनके कार्यालय ने भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना के प्रत्यर्पण के लिए विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''हमने उनके (हसीना) प्रत्यर्पण के संबंध में विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। प्रक्रिया अभी जारी है।''

आलम ने कहा कि ढाका और नई दिल्ली के बीच प्रत्यर्पण संधि पहले से ही मौजूद है और इस संधि के तहत हसीना को बांग्लादेश वापस लाया जा सकता है। पिछले महीने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र के नाम संबोधन में मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेंगे। उन्होंने कहा था, ''हमें हत्या के हर मामले में न्याय सुनिश्चित करना चाहिए... हम भारत से कहेंगे कि वह शेख हसीना को वापस भेजे।''

आठ अगस्त को पदभार ग्रहण करने वाले यूनुस ने दावा किया है कि हसीना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों और आम लोगों सहित लगभग 1,500 लोग मारे गए, जबकि 19,931 अन्य घायल हुए।

अक्टूबर में, विधि सलाहकार आसिफ नजरूल ने कथित तौर पर कहा था कि यदि भारत संधि के किसी प्रावधान का हवाला देकर हसीना के प्रत्यर्पण को अस्वीकार करने का प्रयास करेगा, तो बांग्लादेश इसका कड़ा विरोध करेगा।

हाल के हफ्तों में, हसीना ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर ''नरसंहार'' को अंजाम देने और अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

श्रद्धांजलि

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को परभणी में हाल ही में हुई अशांति के दौरान दिवंगत हुए विजय वाकोड़े को श्रद्धांजलि देते हुए।

हिज्बुल्ला के खिलाफ विस्फोटक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करके हमले किए गए : पूर्व इजराइली जासूस

वाशिंगटन/एपी। हाल में सेवानिवृत्त हुए इजराइल के दो वरिष्ठ खुफिया एजेंटों ने एक घातक खुफिया अभियान के बारे में नई जानकारी साझा की कि कैसे लेबनान और सीरिया में करीब तीन महीने पहले हिज्बुल्ला के आतंकवादियों को विस्फोटक 'पेजर' और 'वॉकी टॉकी' के जरिए निशाना बनाकर हमले किए गए। हिज्बुल्ला ने हमास के सात अक्टूबर, 2023 के हमले के तुरंत बाद इजराइल पर हमला शुरू कर दिया, जिससे इजराइल-हमास युद्ध छिड़ गया। रविवार रात को प्रसारित सीबीएस '60 मिनट्स' कार्यक्रम के एक हिस्से में एजेंटों ने बात की। उन्होंने अपनी पहचान छिपाने के लिए मास्क पहने थे और उनकी आवाज बदली हुई थी। एक एजेंट ने बताया कि यह अभियान 10 साल पहले गोपनीय तरीके से छिपाकर लगाए गए विस्फोटकों से युक्त 'वॉकी-टॉकी' के इस्तेमाल के जरिए शुरू किया गया था, जिसके बारे में हिज्बुल्ला को पता नहीं था कि वह अपने दुश्मन इजराइल से खरीद रहा है।

बम से भरे पेजर में विस्फोट की घटना के बाद 'वॉकी-टॉकी' में भी विस्फोट कर दिया गया।

सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

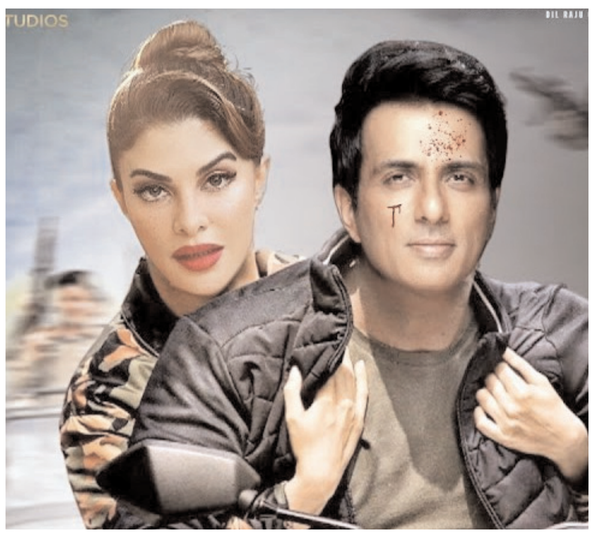

ज़ी स्टूडियोज़ और शक्ति सागर प्रोडक्शंस ने सोनू सूद की डायरेक्टोरियल डेब्यू फ़िल्म 'फ़तेह' का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है। साइबर क्राइम की पृष्ठभूमि पर बनी फ़तेह में सोनू सूद एक पूर्व स्पेशल ऑप्स अधिकारी की भूमिका में हैं, जिसके पास डिजिटल आतंक के एक विशाल नेटवर्क को खत्म करने का मिशन है। सोनू सूद ने कहा,फतेह को लेकर उत्साह अविश्वसनीय रूप से विनम्र रहा है। यह फिल्म मेरे निर्देशन की पहली फिल्म से कहीं बढ़कर है। यह एक ऐसी दुनिया का प्रतिबिंब है जिससे हम सभी जुड़े हुए हैं लेकिन शायद ही कभी समझ पाते हैं। मैं उस दिल दहला देने वाली वास्तविकता को एक्शन के साथ जीवंत करना चाहता था जो आपको जकड़ ले और आपको अपनी सीट से बांधे रखे। फ़तेह उन सभी के लिए एक युद्धघोष है जिन्होंने इन अदृश्य खतरों का सामना किया है और उन लोगों के लिए जो खड़े होकर वापस लड़ते हैं। ज़ी स्टूडियोज़ के सीबीओ उमेश कुमार बंसल ने कहा, फ़तेह मनोरंजक एक्शन ड्रामा का एक अनूठा मिश्रण है। सोनू का विजन एक सम्मोहक कथा के माध्यम से साइबर अपराध को जीवंत करता है जो एक सामूहिक मनोरंजन है। शक्ति सागर प्रोडक्शंस की सोनाली सूद और ज़ी स्टूडियो के उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित और अजय धामा सह-निर्मित, फतेह साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक एक्शन कहानी है जो 10 जनवरी 2025 को रिलीज़ होने वाली है। इस फिल्म में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह की भी अहम भूमिका है।

पाक सरकार, इमरान खान की पार्टी ने बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान सरकार और विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने सोमवार को अपनी पहली बैठक में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई सहित विवादास्पद मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। सरकार और पीटीआई का प्रतिनिधित्व करने वाली समितियों के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित वार्ता की अध्यक्षता नेशनल असेंबली (एनए) के अध्यक्ष अयाज सादिक ने की, जिन्होंने पिछले सप्ताह मौजूदा राजनीतिक तनाव को कम करने के लिए दोनों पक्षों के प्रयासों में सहयोग देने की घोषणा की थी। सरकारी पक्ष से उपस्थित लोगों में उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार, प्रधानमंत्री के राजनीतिक सहयोगी राणा सनाउल्लाह, सीनेटर इरफान सिद्दीकी, पूर्व प्रधानमंत्री राजा परवेज अशरफ, पूर्व मंत्री नवीद कमर, सांसद फारूक सत्तार और निजीकरण मंत्री अलीम खान शामिल थे।

पीटीआई का प्रतिनिधित्व पूर्व स्पीकर असद कैसर, साहिबजादा हामिद रजा और सीनेटर राजा नासिर अब्बास ने किया। उन्होंने घोषणा की कि अगला सत्र दो जनवरी को होगा और पीटीआई की टीम अगली बैठक में अपनी मांगों का एक चार्टर पेश करेगी। उन्होंने बैठक के बाद कहा, हमने अतीत और वर्तमान के बारे में चर्चा की और मुझे उम्मीद है कि अगर हम देश की बेहतरी के लिए मिलकर काम करेंगे तो इससे राजनीतिक स्थिरता मजबूत होगी, लोकतंत्र मजबूत होगा और पाकिस्तान के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। सीनेटर इरफान सिद्दीकी ने वार्ता के संबंध में विज्ञप्ति पढ़ी जिसमें दोनों पक्षों ने वार्ता को सकारात्मक बताया तथा वार्ता जारी रखने के महत्व पर बल दिया। विज्ञप्ति में कहा गया कि दोनों समितियों ने सद्भावना व्यक्त करते हुए कहा कि संसद मुद्दों को सुलझाने के लिए उपयुक्त मंच है। पीटीआई के कैसर ने सदस्यों को बताया कि उनकी समिति के कई सदस्य अदालती कार्यवाही के कारण उपस्थित नहीं हो सके।

फरवरी के पहले सप्ताह में ओटीटी पर आ सकती है 'पुष्पा 2'

मुंबई/एजेन्सी

अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा-2' 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी। रिलीज होते ही ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तूफान उठाने में सफल रही थी। फिल्म ने अब 1600 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई कर ली है। पुष्पा-2 इस साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म रिलीज को 16 दिनों से ज्यादा का समय हो गया है। अब लोगों को इस फिल्म का ओटीटी पर देखने का इंतजार तेज हो गया है। ओटीटी के लिए इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए एक बुरी खबर है। ये फिल्म जल्दी ही ओटीटी पर देखने को नहीं मिलने वाली है। इसकी जानकारी खुद फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। हाल ही में 'पुष्पा 2: द रूल' के प्रोडक्शन हाउस, माइथ्री मूवीज़ ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर साझा किया कि फिल्म नाटकीय रिलीज के 56 दिनों तक किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज नहीं होगी।

'पुष्पा-2' का पहला पार्ट 2021 में रिलीज किया गया था। इस फिल्म का पहला पार्ट सुपरहिट रहा था। इस पार्ट की दीवानगी भी नॉर्थ से लेकर साउथ तक देखने को मिली थी। इस फिल्म ने करीब 350 करोड़ रुपयों की कमाई की थी। इसके बाद इसके दूसरे पार्ट का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। इस साल 2024 में 'पुष्पा-2' रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर छा गई। फिल्म ने पहले हफ्ते ही 725 करोड़ रुपयों की कमाई कर सभी को चौंका दिया। इसके बाद अब तक फिल्म ने 16 दिनों में 1500 करोड़ से ज्यादा का वर्ल्ड वाइड कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने औसतन हर दिन 100 करोड़ रुपये कूटे हैं। पुष्पा-2 के कलेक्शन ने मेकर्स को मालामाल कर दिया है।

बता दें कि इस फिल्म को 3 पार्ट्स में रिलीज करने का प्लान बनाया गया था। फिल्म का पहला पार्ट हिट रहा और दूसरे ने बॉक्स ऑफिस पर खूब गदर काटा। 'पुष्पा: द बिगेन' के बाद 'पुष्पा: द रूल' भी लोगों को जमकर पसंद आया है। अब इस फिल्म का तीसरा और आखिरी पार्ट भी दर्शकों के लिए तैयार हो रहा है। इस फिल्म का नाम होगा 'पुष्पा- द रेम्पेज'। हालांकि अभी तक इस फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है। लेकिन जल्द ही इसकी अधिक जानकारी सामने आ सकती है।

जया, गजरा बहुत पसंद करती हैं : अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) 16 के मंच पर बताया है कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री जया बच्चन को गजरा बेहद पसंद है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का ज्ञान-आधारित गेम शो, 'कौन बनेगा करोड़पति सीज़न 16', 'इंडिया चैलेंजर वीक' के साथ फ़ॉर्मेट में रोमांचक ट्विस्ट लाया है। इस सप्ताह, 10 प्ले-अलॉन्ग प्रतियोगियों में से, फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड के टॉप दो प्रतियोगी हॉटसीट पर अपनी जगह सुनिश्चित करने के लिए 'जल्दी 5 बज़र राउंड' में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस बज़र चैलेंज का विजेता मनी ट्री पर छठे प्रश्न से शुरुआत करते हुए खेल जारी रखेगा। इंडिया चैलेंजर वीक के असाधारण प्रतियोगियों में दिल्ली की प्रियंका भी हैं। शिक्षा जगत से लेकर भारत के सबसे प्रतिष्ठित गेम शो तक का उनका सफर इस बात का प्रमाण है कि कैसे दृढ़ संकल्प और ज्ञान से असाधारण अवसरों के द्वार खोले जा सकते हैं। हॉट सीट पर आसीन होने के दौरान, प्रियंका ने गेम में एक अप्रत्याशित और मज़ेदार ट्विस्ट पेश किया और अमिताभ बच्चन से कई तरह के मज़ाकिया और स्पष्ट सवाल पूछें, जिसकी शुरुआत कुछ इस तरह हुई, आपका घर इतना बड़ा है, यदि रिमोट खो जाए तो कैसे ढूंढते हैं? अमिताभ्ज्ञ बच्चन, जो खुद भी अपने मज़ाकिया स्वभाव के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने जवाब दिया, सीधा सेट-टॉप बॉक्स के पास जाके उससे कंट्रोल करते हैं!जैसे-जैसे बातचीत आगे बढ़ी, प्रियंका ने मध्यवर्गीय परिवार से जुड़े प्रासंगिक सवाल पूछना जारी रखा, जिससे यह गंभीर क्विज़ शो हंसी-मज़ाक के माहौल में बदल गया। प्रियंका ने पूछा, सर, मध्यमवर्गीय परिवारों में जब रिमोट खो जाता है, तो घर में लड़ाई हो जाती है। क्या आपके घर में भी ऐसा होता है? अमिताभ बच्चन ने जवाब दिया, नहीं, देवी जी, हमारे घर में ऐसा नहीं होता। दो तकिये होते हैं

सोफे पर, रिमोट उनमें छुप जाता है। बस वही ढूंढना पड़ता है। प्रियंका अगले सवाल की ओर आगे बढ़ी, जब मैं ऑफिस से घर जाती हूं, तो मम्मी बोलती हैं धनिया या कुछ और ले आना। क्या जया मैम आपको भी कुछ लाने के लिए कहती हैं? अमिताभ बच्चन ने कहा, बिल्कुल कहती हैं। कह देती हैं, 'अपने आप को ले आना घर!'प्रियंका आखिरी अगले सवाल की ओर बढ़ीं, सर, कभी एटीएम जाके कैश निकाला है और अपना बैलेंस चेक किया है? अमिताभ बच्चन ने हंसते हुए जवाब दिया, ना तो हम अपने पास कैश रखते हैं, ना कभी एटीएम गए हैं, क्योंकि हमारे पास समझ नहीं आता कि करते कैसे हैं। लेकिन जया जी के पास होता है। मैं उनसे पैसे मांगता हूं। जया जी को गजरा बहुत पसंद है, तो रास्ते में जब छोटे बच्चे हार बेचने आते हैं, तो मैं उनसे खरीदता हूं और वो हार कभी जया जी को देता हूं या कभी गाड़ी में रख लेता हूं, क्योंकि उनकी महक अच्छी लगती है।

टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड्स के अनुभव को हमेशा संजोकर रखेंगी भाविका शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भाविका शर्मा का कहना है कि 24वें भारतीय टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड्स (आईटीए) में शिकरत करने का उन्हें कमाल का अनुभव हुआ, जिसे वह हमेशा संजो कर रखेंगी। 24वां आईटीए अवॉर्ड्स ग्लैमर, उत्साह और भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री की बेहतरीन प्रतिभाओं से भरपूर एक अद्भुत रात का वादा करता है। यह नए साल का स्वागत करने का एक बेहतरीन तरीका है, जिसमें स्टाइल, एंटरटेनमेंट और जादुई पल होंगे।रेड कार्पेट पर एक शानदार नजारा था, जिसमें रुपाली गांगुली, भावना शर्मा, अलीशा परवीन, शिवम खजूरिया, फहमान खान, सोनाक्षी बत्रा, रोहित पुरोहित, समृद्धि शुक्ला, कंवर ढिल्लों, नेहा हरसोरा, अभिका मलाकर, कृषाल आहुजा, गाशमीर महाजनी, हर्षद चोपड़ा, प्रणाली राठोड़ और कई अन्य सितारे शामिल थे। बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारे, जैसे राजकुमार राव और तापसी पन्नू, ने भी शाम को अपनी ग्लैमर से सजाया। शाम की एक बड़ी हाइलाइट भाविका शर्मा की शानदार परफॉर्मेंस थी, जो स्टार प्लस के शो गुम है किसी के प्यार में में सावी का रोल निभाती हैं। भाविका की परफॉर्मेंस ने स्टेज को रोशन कर दिया, जब उन्होंने आज की रात और आई नहीं गानों पर डांस किया। आज की रात पर भाविका का एक बेहतरीन सोलो परफॉर्मेंस था, वहीं आई नहीं पर वह नील भट, गाशमीर महाजनी और प्रणाली राठोड़ के साथ स्टेज शेयर करतघ्छ्व्ठ्ठ्रै प द्भ्रख्ध्प्ठ्ठ्यणणण ` 24-12-

ज़ी सिनेमा पर दिखाई जाएगी फिल्म 'किसको था पता'

मुंबई/एजेन्सी

अशनूर कौर, अक्षय ओबेरॉय और आदिल खान स्टारर फिल्म किसको था पता, इस क्रिसमस, 25 दिसंबर को ज़ी सिनेमा पर दिखायी जायेगी। 'शादी में जरूर आना' और 'मिडल क्लास लव' जैसी फिल्में बनाने के लिए मशहूर निर्देशक रत्ना सिन्हा की फिल्म 'किसको था पता' में अशनूर कौर, अक्षय ओबेरॉय और आदिल खान जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को रात 8 बजे, ज़ी सिनेमा पर दिखायी जायेगी। अशनूर कौर ने कहा, श्रेया एक ऐसा किरदार है जो किसी से भी जुड़ सकता है, जो प्यार के बोझ और उसे खोने के डर को महसूस कर चुका हो। इसकी कहानी सच्चाई, ताकत और खोई हुई उम्मीदों का आईना है। मुझे खुशी है कि मैं ऐसी कहानी का हिस्सा हूं, जो दर्शकों को प्यार और किस्मत पर सवाल उठाने पर मजबूर कर देगी। यह पहली बार था जब मैंने अपने पैरेंटस के बिना अकेले शूटिंग की, तो मैं थोड़ी घबराई हुई थी, लेकिन साथ ही बहुत उत्साहित भी। मुझे उम्मीद है कि लोग ज़ी सिनेमा पर ये फिल्म देखते हुए श्रेया से उतना ही जुड़ाव महसूस करेंगे जितना मैंने किया।

अक्षय ओबेरॉय ने कहा, देवांश एक ऐसा शख्स है, जिसकी पूरी दुनिया उस वक्त बिखर जाती है, जब वो इंसान उसे छोड़ देता है, जिससे वो सबसे ज्यादा प्यार करता है। ये किरदार जज़्बातों से भरा हुआ था, जिसने मुझे माफी और सहनशीलता की असली ताकत सिखाई। 'किसको था पता' में काम करना मेरे लिए एक मुकम्मल सफर था, जहां मुझे एक ही किरदार में कई अलग-अलग जज़्बातों को जीने का मौका मिला। मैं चाहूंगा कि दर्शक देवांश के सफर में शामिल हों और उसके दिल टूटने, फिर से खुद को ढूंढने और आगे बढ़ने की कहानी का हिस्सा बनें। ये कहानी ख़त्म होने के बाद भी आपको हमेशा याद रहेगी।

आदिल खान ने कहा, धैर्य एक ऐसा किरदार है, जो ज़िंदगी को पूरी तरह से जीता है। उसकी जोश और मस्ती भरी ज़िंदगी इस फिल्म को ताजगी देती है। धैर्य का किरदार निभाते हुए मैंने उसके हर अंदाज़ को महसूस किया। 'किसको था पता' सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं है, यह एक पूरी जिंदगी की कहानी है। मैं रत्ना सिन्हा का शुक्रगुज़ार हूं, जिन्होंने मुझे इस रोल के लिए चुना। अशनूर और अक्षय के साथ काम करना एक शानदार अनुभव था, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म को उतना ही एन्जॉय करेंगे जितना हमने इसे बनाते हुए किया।

रत्ना सिन्हा ने कहा, किसको था पता के साथ, मैंने ज़िंदगी के अनजाने रास्तों पर गौर किया, और ये जाना कि हम प्यार और उसे खोने के दर्द का सामना कैसे करते हैं। यह फिल्म व्यक्तिगत भी है और सबसे जुड़ी हुई भी, जिसमें प्यार की सबसे सच्ची और सबसे कच्ची भावनाएं हैं। इस फिल्म के कलाकारों ने दर्शकों के दिल को छूने वाली परफॉर्मेंस दी है। मैं खुश हूं कि यह फिल्म ज़ी सिनेमा पर आ रही है, ताकि यह भारत भर के लाखों दिलों तक पहुंचे। इस फिल्म की कहानी हमें ये सिखाती है कि हमें आज को पूरी तरह से जीना चाहिए, क्योंकि कल की कोई खबर नहीं है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दु:ख भोगता है। सुख- दु:ख का कर्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

श्याम सत्संग ट्रस्ट ने मनाया खाटू श्याम का तीसवां महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अन्ना नगर के शांति कॉलोनी स्थित श्याम सत्संग ट्रस्ट द्वारा रविवार को तीसवां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर परिसर में विराजित खाटू श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार हर भक्त का मन बरबस ही मोह रहा था। 22 दिसम्बर को सुबह से देर रात्रि तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भक्तों की रेलमपेल दिन भर लगी रही। भक्तों में खाटू श्याम की एक झलक पाने की होड़ लगी रही। इस अवसर पर श्याम मंदिर को फूलों से सजाया गया। पूरे मंदिर परिसर का दृश्य बहुत ही भव्य लग रहा था।

ट्रस्ट के प्रचार प्रसार मंत्री मनोज गोयल ने बताया कि ट्रस्ट का तीसवां वार्षिक महोत्सव होने के कारण लोगों में गजब का उत्साह रहा जिसके कारण चेन्नई के अलावा अनेक प्रदेशों से भी

श्याम सत्संग में श्रद्धालुओं ने आनंद लिया

लोग कार्यक्रम शामिल हुए। इनमें से प्रमुख रूप से राजस्थान खाटू श्याम की नगरी से प्रताप सिंह चौहान थे, जिन्होंने बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

गोयल ने बताया कि दिनभर चले इस कार्यक्रम में कई भजन कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां दी जिनमें से प्रमुख रूप से हैदराबाद से आए भजन गायक सागर व्यास दिल्ली से कुमार गौरव तथा कलकत्ता से आए रवि बेरीवाल रहे इन गायकों के सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी।

सुबह 9 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में सर्वप्रथम ट्रस्ट के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ श्याम बाबा की पूजा अर्चना की तत्पश्चात ट्रस्ट के सचिव नारायण अग्रवाल ने अखंड ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस अधिकारी शंकरलाल कुमावतने भी शिरकत कर बाबा का आशीर्वाद लिया। बाबा के अलौकिक श्रृंगार के साथ अखंड ज्योत एवं छप्पन भोग भी लगाए गए। कार्यक्रम में शामिल सभी भक्तों ने बाबा का आशीर्वाद प्राप्त कर ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, सह सचिव रविन्द्र अग्रवाल, पंकज अग्रवाल सहित अनेक श्याम परिवारों का भरपूर सहयोग रहा।

श्रीमद् भागवत कथा में 'भए प्रगट कृपाला दीन दयाला...' के साथ प्रभु का अवतार हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अन्ना नगर स्थित श्री राम दयाल कलावती खेमका अग्रवाल सभा भवन में सप्तदिवसीय आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में व्यास पीठ पर विराजमान वृंदावन मथुरा से आए कथावाचक प्रियशरण महाराज ने श्री राम जन्म प्रसंग एवं श्री कृष्ण जन्म प्रसंग की कथा सुनाते हुए 'जब बूटी हरि के नाम की सबको पिला के पी...' तथा 'भए प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी' भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी, तब उनके साथ पूरा सभागार भजनों को दोहराते हुए भक्ति भाव में लीन हो गया। इस अवसर पर कई श्रद्धालु सभागार परिसर में नृत्य भी करने लगे। कथा व्यास प्रिया शरण महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में उसके सत्कर्मों से ही अच्छे एवं कुकृत्यों से बुरे दिनों की प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि हमारे कर्मों के द्वारा ही हमारे भाग्य का निर्माण होता है। उन्होंने कथा में भगवान श्री राम एवं प्रभु श्री कृष्ण के जन्म प्रसंगों का विस्तार पूर्वक वर्णन करते हुए कहा कि जब भगवान श्री कृष्ण का जन्म वासुदेव एवं देवकी के घर हुआ। उनके सभी बंध प्रभु की कृपा से मुक्त हो गए। उन्होंने कहा कि प्रभु की कृपा से श्री कृष्ण के जन्म के समय जेल के द्वारा खुद-ब-खुद खुल गए एवं पहरेदार गहरी निद्रा में सो गए। उन्होंने बताया कि यदि प्रभु कृपा न हो तो मनुष्य का जीवन दुखों के बोझ तले दब जाता है। इसलिए हमें भगवान की आराधना समय-समय पर करते रहना चाहिए।

उन्होंने कथा में बताया कि ईश्वरीय कृपा से काल भी मनुष्य का कुछ नहीं बिगाड़ सकता। उन्होंने बताया कि कंस को जब वासुदेव एवं देवकी के आठवीं संतान अर्थात श्री कृष्ण के पैदा होने की खबर मिली तो उसने उन्हें मारने की कई कुटिल चालें चली। परंतु उसके सभी कुटिल प्रयास भगवान के आगे निष्फल रहे। इसलिए श्रीमद्भागवत में बताया गया है कि मनुष्य को कर्म की प्रधानता को आगे बढ़ाते हुए संयमित जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए जो ऐसा करता है उसके ऊपर निश्चित ही प्रभु की कृपा सदैव बनी रहती है। कथा के चौथे दिन सभागार में भक्तों की जबरदस्त भीड़ रही कार्यक्रम आयोजक मोहनलाल सर्राफ, चंद्र प्रकाश सर्राफ, प्रवीण गर्ग, बाबूलाल केडिया, मोहन बंसल, प्रेम प्रकाश बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग सभागार में उपस्थित होकर श्रीमदभागवत कथा का श्रवण किया।

नारी शक्ति सम्मान के साथ मनाया जन्म, संयम और अमृत दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गुरु ब्रज मधुकर श्राविका समिति तमिलनाडु द्वारा 22 दिसम्बर को पुरुषवाक्कम के एएमकेएम परिसर में पंडित युवाचार्य मधुकर मिश्रीमलजी म.सा. की 111वां जन्म दिवस, गुरु अमर संयम अमृत वर्ष कार्यक्रम, युवाचार्य मधुकर मिश्रीमल जी म.सा. की आज्ञानुवर्ती साध्वी राजमती जी म.सा. के सान्निध्य में सागरमल, मंजु लोढा. की उपस्थिति एवं अर्थ सहयोग से मनाया गया। लेखन प्रतियोगिता 'जीवन में गुरु का महत्व', नारी शक्ति सम्मान पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संस्था की अध्यक्ष कमला एस मेहता, कार्याध्यक्ष विमला चोरडिया, महामंत्री ललिता सुराणा आदि के द्वारा विभिन्न मंडलों के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि का सम्मान श्रावक श्राविका समिति के पदाधिकारियों ने किया। मंच का संचालन संस्था महामंत्री ललिता सुराणा ने किया। कमला मेहता ने सभी का स्वागत किया।

प्रतियोगिता में 60 युवक युवतियों ने भाग लिया। सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। नव दीक्षिता श्री जिव्याश्री म. सा. ने गुरु गुणगान किया। साध्वीश्री विनयश्रीजी ने नारी को सेवा में सर्वोपरि बताते हुए नारी को सम्मानित करने का संदेश देते हुए कमला मेहता को सरस्वती पुत्री सम्मान से सम्मानित करने का अव्हान किया।

सुमन अजित कोठारी को नारी सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित श्रावक श्राविक समिति द्वारा किया गया। सामाजिक सेवाओं के लिए तेरापन्थ महिला मंडल की अध्यक्ष लता पारेख, मरूधर केशरी महिला मंडल से अध्यक्ष संगीता पटवा, श्री महावीर जैन महिला युवती मंडल से मंत्री सुनीता मेहता एवं संस्कार मंच महिला शाखा की अध्यक्ष ललिता लोढा को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विनयचन्द पावेचा, सज्जनराज मेहता, सिद्देचन्द लोढा, पारस तोलावत, श्रेणिकराज नाहर, हरीश सुराणा आदि ने सम्मानित किया। साध्वी दीपिका राजमतीजी ने मंगल पाठ सुनाया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल द्वारा 22 दिसम्बर को संगीतमय सुन्दरकांड पाठ का आयोजन रायपुरम् में गोपाल संदीप महर्षि के यहां आयोजित हुआ। सुन्दरकांड पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, एवं सत्संग प्रेमी मुलचंद शर्मा, सुभाष गुप्ता, महावीर शर्मा, अनिल शर्मा, लीलाधर शर्मा आदि ने भाग लिया।

प्रभु पार्श्वनाथ की भक्ति में सभी समस्याओं का समाधान : डॉ. सुयशनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छीय जैन संत डॉ. पदमचंद्र महाराज की शिष्याएं जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी एवं डॉ. सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में जेपीपी समणी सेंटर में जेपीपी. अहिंसा रिसर्च फाउंडेशन एवं महिला फाउंडेशन द्वारा पौष कृष्ण दशमी के दिन 25 दिसंबर को प्रात: 7.15 बजे से पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव पर जाप अनुष्ठान का आयोजन रखा गया है। जैन दर्शन के इस अवसर्पिणी काल के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ हुए। पार्श्वनाथ भगवान ने न केवल धार्मिक और नैतिक मूल्यों की स्थापना की, बल्कि जैन धर्म को समाज में व्यावहारिक रूप से प्रासंगिक भी बनाया। उनकी शिक्षाएं और जीवनशैली मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यही कारण है कि वे जैन धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। डॉ. समणी सुयशनिधिजी ने कहा कि यह जाप अनुष्ठान साधक को अनेक लाभ प्राप्त करा सकता है। आवश्यक है कि वह श्रद्धा एवं भक्ति से ओत प्रोत हो। रोग, शोक, अड़चनों को दूर करने में अत्यंत लाभदायक है।

मायोपिया तथा डिजिटल आई स्ट्रेन पर शिखर सम्मेलन का 4 जनवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अग्रवाल आई हॉस्पिटल द्वारा आगामी 4 जनवरी को मायोपिया तथा डिजिटल आई स्ट्रेन रोगियों हेतु शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आज की स्क्रीन प्रधान दुनिया में नेत्रों के स्वास्थ्य चुनौतियों पर नेत्र विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। जिससे आईटी पेशेवरों तथा लंबे समय तक डिजिटल स्क्रीन का उपयोग करने वाले किसी व्यक्ति के लिए व्यावहारिक समाधान बताए जाएंगे। शिखर सम्मेलन के पूर्व डॉक्टर अग्रवाल आई हॉस्पिटल के मुख्य क्लीनिकल अधिकारी डॉक्टर अश्विन अग्रवाल ने कहा कि वह इस शिखर सम्मेलन के आयोजन को लेकर उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन लंबे समय तक डिजिटल गैजेट का उपयोग करने वाले रोगियों में उत्पन्न चुनौतियों का समुचित समाधान करने हेतु आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य डिजिटल आई स्क्रीन को प्रबंधित करने हेतु नवीनतम ज्ञान व्यवहारिक रोकथाम रणनीतियां तथा प्रभावी देखभाल युक्तियों के साथ रोगियों को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन रोगियों के लिए देखभाल करने वालों से जुड़ने और नेत्र स्वास्थ्य के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने का एक अच्छा अवसर है।

अग्रवाल आई हॉस्पिटल के क्षेत्रीय प्रमुख डॉक्टर एस सौंदरी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि देश में मायोपिया और डिजिटल स्ट्रेन खतरनाक स्तरों पर बढ़ रहे हैं। उन्होंने अनुमान जताते हुए कहा कि 2050 तक इन रोगियों की संख्या 48 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन इस बढ़ती हुई चुनौतियों के प्रबंधन के लिए कारगर साबित होगी।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में 22 दिसम्बर को श्री पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज मंदिर में चौथी बार पीपा महाराज कैलेन्डर 2025 का लोकार्पण किया गया। इस विशेष मौके पर मुख्य अतिथि मुकेश गहलोत सहायक कमांडेंट, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, नीमच उपस्थित थे। आभार ज्ञापन सहसचिव नरेश मकवाना ने दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.